सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अभिषेक टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाएंगे : पोंटिंग पेज: 7

फिल्म में दिखेंगी एक नई दीपिका पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 294 | मंगलवार 03 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

किरण रिजिजू का राहुल गांधी पर तीखा हमला, 'वे खुद को संसद से ऊपर समझते हैं'

नई दिल्ली एजेंसी: संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान संसदीय नियमों का कथित उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के बार-बार निर्देश देने के बावजूद, कांग्रेस नेता अध्यक्ष को चुनौती देते रहे और विषय से भटकते रहे, जिसमें चीन सीमा का मुद्दा उठाना भी शामिल था। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। हम सभी विपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाषण सुनने के लिए बैठे थे। लेकिन शुरू से ही राहुल गांधी ने नियमों का उल्लंघन किया और एक ऐसी किताब का हवाला देना शुरू कर दिया, जिसके प्रकाशन और प्रामाणिकता का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। रिजिजू ने दावा किया कि रक्षा मंत्री और हम सभी ने कहा कि सदन नियमों के अनुसार चलेगा और नियमों के अनुसार ही बोलना

संसद में राहुल गांधी का सरकार पर वार, राजनाथ का पलटवार, सदन में संग्राम

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल के दावों को काल्पनिक बताते

लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण का हवाला देकर चीन का मुद्दा उठाने पर भारी हंगामा हुआ, जिसके चलते सदन की कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल के दावों को काल्पनिक बताते हुए

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अपना नौवां केंद्रीय बजट पेश करने के एक दिन बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अपनी बात रखी। राहुल गांधी की बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद सदन में खूब हंगामा देखने को मिला। बहस के लिए कुल 18 घंटे का समय निर्धारित किया गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को अपना जवाब देंगे। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के पारंपरिक संबोधन के साथ शुरू हुआ। राज्यसभा में सोमवार को सदस्यों ने फर्जी जाति प्रमाणपत्र, किसानों की समस्याओं और मानव पशु संघर्ष जैसे मुद्दे उठाए और सरकार से इनके समाधान की मांग करते हुए कहा कि आम आदमी को इन वजहों से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोकसभा की कार्यवाही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को सदन में एक पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण के मसौदे के कुछ अंश का हवाला देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर निशाना साधने का प्रयास किया, जिस पर सत्तापक्ष और कांग्रेस के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक एवं हंगामा देखने को मिला तथा सदन की कार्यवाही बाधित हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष की बातें पूरी तरह से काल्पनिक हैं और वह सदन को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। सदन में गतिरोध बने रहने पर सभा की बैठक पहले अपराह्न दो बजकर नौ मिनट पर अपराह्न तीन बजे तक, दूसरी बार तीन बजकर आठ मिनट पर शाम चार बजे तक और फिर चार बजकर 10 मिनट पर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने सोमवार को कांग्रेस और पूर्ववर्ती संप्रग सरकार पर युवाओं को दिशाहीन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी ने दस साल के शासन में केवल काम नहीं कर पाने के बहाने दिए, जबकि मोदी सरकार ने चुनौतियों के बावजूद विकसित भारत की दिशा में कदम बढ़ाया और युवाओं को सशक्त बनाया। भाजपा सांसद ने कहा 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद वादा किया गया कि देश में परंपरा और प्रौद्योगिकी को एक साथ आगे बढ़ाया जाएगा। सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में हरित आवरण बढ़ाने के लिए नमो वन के नाम से नगर वन विकसित किये जा रहे हैं और इसके लिए सभी सांसदों को राज्य सरकारों के माध्यम से प्रस्ताव भेजकर सहयोग करना चाहिए। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि देश में हरित आवरण बढ़ाना आवश्यक है जिसके लिए क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (कैम्पा) की राशि को भी बढ़ाया जाता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक बार फिर अपनी यह अपील दोहराई कि सदस्य छोटे प्रश्न पूछें और संबंधित मंत्री उनके संक्षिप्त उत्तर दें ताकि अधिक से अधिक सदस्यों को पूरक प्रश्न पूछने का अवसर मिल सके। प्रश्नकाल के दौरान श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के जवाब पूरा करने के बाद अध्यक्ष ने यह बात कही। सरकार पर कथनी और करनी में अंतर होने का आरोप लगाते हुए

'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना', पाकिस्तान के मैच का बहिष्कार पर हरभजन सिंह ने जमकर लताड़ा

नई दिल्ली एजेंसी: पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के मैच का बहिष्कार करने की कड़ी आलोचना की और पूछा कि इस कदम से इस्लामाबाद को क्या लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह कदम लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि वे यह न सोचें कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ खड़ा है। पाकिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्व कप में 15 फरवरी को होने वाले ग्रुप चरण के मैच में भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान सरकार ने एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तानी टीम भारत के खिलाफ मैच में नहीं उतरेगी, बिना कोई कारण बताए। यह मैच 15 फरवरी को होना था। पाकिस्तान इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में ग्रुप 'ए' में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका के साथ है। गौरतलब है कि यह घटना बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों के मद्देनजर बीसीसीआई के निर्देश पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किए जाने के बाद स्कॉटलैंड द्वारा भारत में मैच खेलने से इनकार करने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए हरभजन ने कहा, "बेगानी की शादी में अब्दुल दीवाना। इस फैसले का कोई तर्क या उचित आधार नहीं है। इससे आपको क्या फायदा होगा? यह सिर्फ अहंकार दिखाने के लिए है। अगर आपको सच में लगता है कि आप ऐसा कर सकते हैं, तो अड़े रहिए। देखते हैं कि आपमें वाकई हिम्मत है या नहीं।"हरभजन ने देश पर आरोप लगाया कि वह लोगों को यह जताने के लिए नाटक रच रहा है कि वे बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं और सवाल किया कि क्या उन्होंने उन लोगों के बारे में सोचा है जो मैच देखना चाहते थे। उन्होंने आगे कहा कि यह पूरी तरह से एक नाटक है जो लोगों को यह जताने के लिए रचा गया है कि वे बांग्लादेश के साथ खड़े हैं। इसमें कोई समस्या नहीं है, लेकिन आपने अपने देश के उन लोगों के बारे में क्या सोचा है जो भारत-पाकिस्तान मैच देखना चाहते हैं? हरभजन ने कहा कि विवाद की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि मैच एक तटस्थ स्थान पर, यानी सह-मेजबान देश श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाना था।

मतदाता सूची विवाद पर ममता बनर्जी का दिल्ली में हल्ला बोल, चुनाव आयोग से करेंगी मुलाकात

पश्चिम बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राजधानी के बंगा भवन में विशेष गहन मतदान संशोधन (एसआईआर) से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और आरोप लगाया कि बंगाल में मतदाताओं को दबाने का राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर नागरिकों की सुरक्षा में विफल रहने का भी आरोप लगाया और कहा कि सैकड़ों लोगों को मतदाता सूची से हटाने के लिए गलत तरीके से मृत दिखाया गया है, और इस स्थिति को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, "देखिए दिल्ली पुलिस क्या कर रही है। हम उनकी आलोचना नहीं करेंगे क्योंकि इसमें उनकी कोई गलती नहीं है... दिल्ली पुलिस से भरी एक बस यहां लाई गई है... हमारी चुनाव आयोग में बैठक है... हमें आधिकारिक तौर पर मिलने का समय मिला था, जिसके बाद हम यहां आए हैं। 150 लोगों की मौत हो चुकी है... कई परिजनों ने यहां आकर उन्हें मतदाता सूची से हटाने और उनके अधिकारों को छीनने के लिए मृत घोषित कर दिया था। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में कोई विस्फोट होता है, तब दिल्ली पुलिस कहाँ होती है?... जब हम पहुँचते हैं, तो दिल्ली में दहशत फैल जाती है... अगर हम चाहें तो लाखों लोगों को ला सकते हैं। हम यहाँ 50 लोगों को लाए थे जिन्हें एसआईआर में मृत घोषित कर दिया गया था... दिल्ली पुलिस किसी की रक्षा नहीं कर सकती। दिल्ली में अभी भी सामंती व्यवस्था कायम है। हैली रोड और चाणक्यपुरी स्थित दो बंगा भवनों (पश्चिम बंगाल राज्य अतिथि गृहों) के बाहर दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर के पक्षपातपूर्ण, मनमाना, भेदभावपूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित" संचालन के अपने दावे को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेगा। 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात करेगा ताकि बंगाल में एसआईआर के पक्षपातपूर्ण, मनमाना, भेदभावपूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित संचालन पर

बिहार बजट 2026: डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का बड़ा ऐलान, एनडीए सरकार की नई पहल का दिखेगा असर

बिहार एजेंसी: बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने सोमवार को राज्य बजट पेश होने से पहले जनता के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। पत्रकारों से बात करते हुए सिन्हा ने विधानसभा की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से संचालित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नई सरकार की नई पहल बजट में झलकेंगी। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से सकारात्मक ऊर्जा का माहौल रहेगा। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से संचालित हो। नई सरकार की नई पहल बजट में दिखाई देंगी। सरकार पूर्ण समर्पण और सेवा भावना के साथ बिहार की जनता के उत्थान और कल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, ताकि बिहारी जनता का आत्मसम्मान बढ़े। इसके अलावा, सिन्हा ने केंद्रीय बजट 2026-27 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन की आधारशिला बताया। सिन्हा ने प्रशंसा की कि हर भारतीय को गर्व है। यह बजट भारत के लोगों, विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के उत्थान और कल्याण के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए रखी गई नींव ने अब एक मजबूत इमारत के निर्माण को जन्म दिया है। इससे पहले रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया, जो उनका लगातार नौवां बजट है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 को युवशक्ति से प्रेरित और तीन कर्तव्य पर आधारित बताते हुए, अगले पांच वर्षों में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, नए समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर और 20 राष्ट्रीय जलमार्गों को चालू करने का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय बजट में पर्यावरण के अनुकूल यात्री परिवहन को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है, जिसमें प्रमुख शहरी और आर्थिक केंद्रों के बीच सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव है। ये कॉरिडोर विकास को जोड़ने का काम करेंगे, जिससे यात्रा का समय कम होगा, उत्सर्जन घटेगा और क्षेत्रीय विकास को समर्थन मिलेगा। प्रस्तावित मार्गों में मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी शामिल हैं।

पीएम मोदी से मिले हरियाणा के सीएम सैनी, विकास एजेंडे पर हुई चर्चा

नई दिल्ली एजेंसी: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट की तस्वीरें प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की गईं। विकास कार्यों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर संवाद प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों, भविष्य की प्राथमिकताओं और कई समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए इसे आत्मनिर्भर, सशक्त और समावेशी विकास की दिशा में देश को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताया। केंद्रीय बजट को बताया विकसित भारत का आधार मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत विकसित भारत बजट अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत करता है। आदमपुर एयरपोर्ट का नामकरण, पीएम मोदी का जताया आभार इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आदमपुर एयरपोर्ट का नाम श्री गुरु रविदास महाराज के नाम पर किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने इसे सामाजिक समरसता, सम्मान और समावेशी राष्ट्र निर्माण का सशक्त संदेश बताया। एक्स पर सीएम सैनी की पोस्ट मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्नेहिल शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा भविष्य की प्राथमिकताओं के साथ कई समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

लोकसभा में तेजस्वी सूर्या की स्पीच पर कांग्रेस का हंगामा, अमित शाह ने एक लाइन में किया चुप

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा कांग्रेस को चुनौती देने से हंगामा मच गया, जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को हस्तक्षेप करना पड़ा। तेजस्वी सूर्या ने अपने संबोधन में कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि उसकी सरकार ने भारत की सभ्यतागत परंपराओं का कभी जिक्र नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को पूर्व राष्ट्रपतियों के भाषणों को पढ़ते हुए ऐसा कोई उदाहरण दिखाने की चुनौती दी। सूर्या ने आरोप लगाया कि स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती पर दिए गए संक्षिप्त भाषण के अलावा, कांग्रेस के 10 वर्षों के शासनकाल में भारत की संस्कृति, परंपरा, सभ्यतागत मूल्यों और परंपराओं का कोई जिक्र नहीं हुआ। यह देश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सूर्या ने आगे कहा कि वहीं, 2014 में प्रधानमंत्री ने परंपरा और प्रौद्योगिकी में सुधार का वादा किया था। उस वादे को पूरा करने वाले एकमात्र व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। सूर्या की टिप्पणियों का कांग्रेस नेताओं ने तुरंत विरोध किया, जिसके बीच कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने सूर्या का खंडन किया। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा के पूर्व सदस्य पीटी थॉमस ने श्री नारायण गुरुदेव के बारे में बहुत कुछ कहा है और सूर्या की टिप्पणियों को उनका अपमान बताया। ईडन ने कहा कि पीटी थॉमस ने श्री नारायण गुरुदेव के बारे में बहुत कुछ कहा है। तेजस्वी सूर्या यह दावा कैसे कर सकते हैं कि किसी भी कांग्रेस नेता ने भारतीय परंपराओं के बारे में बात नहीं की है? उन्होंने श्री नारायण गुरुदेव का अपमान किया है। ईडन के इस बयान पर गृह मंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद "संसद पर नहीं, केरल पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

शाह ने व्यंग्य करते हुए कहा कि उनका ध्यान केरल पर है, यहां पर नहीं। सूर्या राष्ट्रपति के उल्लेख की बात कर रहे हैं, जबकि वे केरल विधानसभा के बयानों का जिक्र कर रहे हैं। इससे पहले अपने संबोधन में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने पिछली सरकार की तुलना में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के तहत देश की प्रगति की सराहना की।

केंद्रीय बजट विकसित भारत के लक्ष्य को मजबूत करता है: सीएम पुष्कर सिंह धामी

सीएम धामी ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने और विकसित भारत बनाने का आधार है। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना, आने वाले समय में देश को तीन प्रमुख आर्थिक महाशक्तियों में शामिल करना और सभी वर्गों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है।

देहरादून एजेंसी: केंद्रीय बजट को लेकर उत्तराखंड प्रदेश भाजपा कार्यालय, देहरादून में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबोधित किया। उन्होंने 2026-27 के केंद्रीय बजट को विकसित भारत की दिशा में देश को आगे बढ़ाने वाला बजट बताया। विकसित भारत के संकल्प को मजबूती मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार 9वीं बार बजट पेश किया है, इसके लिए वह उन्हें बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। वर्ष 2026-27 का यह बजट भारत की आत्मा, आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला है। यह देश के सभी नागरिकों की आकांक्षाओं को समाहित करता है। हर वर्ग के उत्थान पर केंद्रित बजट सीएम धामी ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने और विकसित भारत बनाने का आधार है। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना, आने वाले समय में देश को तीन प्रमुख आर्थिक महाशक्तियों में शामिल करना और सभी वर्गों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और चुनौतियों को ध्यान में रखकर इस बजट को तैयार किया गया है। ग्लोबल वार्मिंग और ग्रामीण विकास पर फोकस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्या को लेकर भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। कृषि, ग्रामीण विकास और कौशल निर्माण पर खास ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और सीमांत क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता देते हुए यह बजट लोकल से ग्लोबल की दिशा तय करता है। तीन मजबूत स्तंभों पर भविष्य का भारत सीएम धामी ने कहा कि यह बजट भारत के भविष्य को तीन मजबूत स्तंभों पर स्थापित करता है। पहला, भारत आर्थिक रूप से सशक्त बने; दूसरा, सामाजिक संतुलन कायम रहे; और तीसरा, ग्लोबल वार्मिंग जैसी वैश्विक चुनौतियों पर प्रभावी फोकस किया जाए। उन्होंने इसे सभी नागरिकों के उत्थान और आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला बजट बताया। उत्तराखंड को 24 हजार करोड़ रुपए मिलने की घोषणा मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बजट में उत्तराखंड को 24 हजार करोड़ रुपए की राशि मिलेगी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1,800 करोड़ रुपए अधिक है।

उन्होंने कहा कि यह अतिरिक्त धनराशि राज्य में आधारभूत संरचना को मजबूत करने और रोजगार सृजन को नई गति देगी। युवा और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा सीएम धामी ने कहा कि बजट में युवाओं और महिलाओं के लिए ऐसे प्रावधान किए गए हैं, जिनसे वे जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बन सकें। उन्होंने इसे जनकल्याण को व्यापक लाभ पहुंचाने वाला बजट करार दिया।

संपादकीय

चुनाव से परे नई चुनौतियों का बजट

अक्सर केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर आरोप लगाया जाता है कि वह चुनाव देखकर बजट बनाती है। मगर वर्ष 2026-27 के बजट में चुनावी घोषणाएं नहीं हैं। वर्ष 2014 से सत्ता में आई भाजपा आर्थिक सुधारों की दिशा में कदम उठाती दिखती है। नए बजट में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 4.3 प्रतिशत लाने की बात कर महंगाई पर नियंत्रण के लिए कुछ नए उपायों को दशार्या गया है। सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी योजना 'वीबी-जी राम जी' के लिए 95000 करोड़ रु. और मनरेगा के लिए भी 30000 करोड़ रु. का प्रावधान किया है। आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने की सोच को आगे बढ़ाने में सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है। इसी के साथ 20 नए जल मार्ग बनाने की तैयारी है। बैटरी सस्ती कर मोबाइल, ई-वाहन क्षेत्र को मदद दी है। सूर्य ऊर्जा को बढ़ावा देने के उपाय किए हैं। क्षेत्र अनुसार बड़े टेक्सटाइल पार्क, चार दक्षिणी राज्यों में खनिज कॉरिडोर, तीन केमिकल पार्क का निर्माण किया जाएगा। लघु उद्योगों को दस हजार करोड़ रु. की सहायता मिलेगी। इसके बीच ही हर बार केंद्रीय बजट में उछलता-कूदता शेयर बाजार नए कर से बड़ा झटका खा गया। उसने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के भाषण खत्म होते-होते 3000 अंकों का गोता लगा दिया। अंत में सेंसेक्स 1546.84 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। पूंजी बाजार पर यह असर वायदा कारोबार पर 'सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स' (एसटीटी) बढ़ाए जाने की घोषणा के कारण नजर आया। हालांकि यह दुर्लभ संयोग ही था, जब बजट पेश होने की वजह से रविवार को शेयर बाजार खुला। सरकार का दावा है कि उसकी नीतियां औद्योगिक विकास को बढ़ाने के लिए हैं, जिसके लिए वह 350 से अधिक आर्थिक सुधार कर चुकी है। उसका मानना है कि तकनीक के माध्यम से देश में कला, डिजाइन, फैशन, फिल्म, संगीत और डिजिटल कंटेंट को वैश्विक स्तर पर विस्तार मिल रहा है। वह देश में 'क्रिएटिव इकोनॉमी' के क्षेत्र में 'पर्सनल क्रिएटिविटी', 'स्किल' और 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी' को बढ़ावा देना चाहती है। जिसके लिए मुंबई के ह्यइंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीस' को 15 हजार सेकेंड्री स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'कंटेंट क्रिएटर लैब' स्थापित करने में मदद का प्रस्ताव दिया है। भारत में 'एनिमेशन', 'विजुअल इफेक्ट्स', 'गेमिंग' और 'कॉमिक्स सेक्टर' तेजी से बढ़ते क्षेत्र हैं, जिसमें वर्ष 2030 तक 20 लाख पेशेवर लोगों की जरूरत होगी। तकनीक के अलावा स्वास्थ्य का क्षेत्र सरकार की प्राथमिकताओं में है, जिसके लिए उसने बायो फार्मा सेक्टर को 10 हजार करोड़ देने का प्रावधान किया है। वहीं मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियों के लिए 36 दवाओं को सस्ता किया है। सरकार देश में मेडिकल हब बनाना चाहती है। वह तीन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान(एम्स) बनाने की भी तैयारी में है।

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है।

लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी।

खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सत्ता पाने की लालसा और कलयुगी रिश्ते

संजय गोस्वामी

यह दुनिया में लोग अपने अपने पद, पैसा और सत्ता या धन के लिए लालायित रहते हैं अभी दो दिन पहले ही महाराष्ट्र के उप मुख्य मंत्री स्व अजीत पवार जी का विमान क्रैश हुआ और मौत हो गईं शायद वे सत्ता में नहीं रहते तो प्राइवेट जेट नहीं मिलता और जान बच सकती लेकिन तुरंत ही शनिवार 31 जनवरी 26 की शाम को अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने लोकभवन में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली. सुनेत्रा पवार का उपमुख्यमंत्री बनना पहले से तय नहीं था, पति अजित की प्लेन क्रैश में निधन के बाद ऐसी राजनीतिक हालत बने लेकिन सच में ऐ पता हमें नहीं होता की सत्ता बड़ा है या हमारा विचार, ईश्वर को पहचाना जरूरी है यदि बनना ही था तो कम से कम उनका क्रिया क्रम कराकर बाद में भी निर्णय लिया जा सकता था इसलिए ऐ केवल एक उदाहरण नहीं है कई ऐसी घटना है कि पति के मरते ही पत्नी उसकी जायदाद पर काबू कर करने की कोशिश करती है इसलिए आपका अपना भगवान राम के सिवा कोई नहीं है समय बर्बाद ना करो उसी में लीन हो जाना सबकुछ मिलेगा क्योंकि शांति से बढ़कर कुछ नहीं है अच्छी बातचीत एक स्वस्थ रिश्ते का मूलभूत हिस्सा है। जब आप अपने साथी के साथ सकारात्मक भावनात्मक जुड़ाव महसूस करते हैं, तो आप सुरक्षित और खुश महसूस करते हैं। जब लोग अच्छी तरह से संवाद करना बंद कर देते हैं, तो उनके बीच संबंध भी खराब हो जाते हैं, और बदलाव या तनाव के समय यह दूरी और भी बढ़ जाती है।

इस सृष्टि का निर्माण निराकार सुप्त ऊर्जा से हुआ है जिसको कि हम श्याम कह सकते हैं मतलब अंधकार पूर्ण ऊर्जा है लेकिन इसमें किसी साधक को प्रकाश भी दिखाई देता है समस्त ब्रह्मांड का मालिक केवल परमपिता परमेश्वर भगवान राम ही है जिसका कोई रंग नहीं है रंगहीन है ईश्वर जैसे पानी जिसमें कोई रंग नहीं होता है लेकिन यदि उसमें एक छोटा सा कीड़ा पड़ जाता है तो स्पष्ट दिखाई देता है वैसे ही श्वेत प्रकाश जिसमें कोई रंग नहीं है लेकिन किसी प्रिज्म से गुजरता है तो सात रंगों से विभक्त हो जाता है जिसे विब्जीओर वायलेट, इंडिगो, ब्लू, ग्रीन, येलो, ऑरेंज, रेड) विज़िबल लाइट स्पेक्ट्रम के रंगों को दिखाता है, जिन्हें बढ़ती वेवलेंथ के हिसाब से छोटे (वायलेटः 380-450 nm) से लेकर लंबे (रेडः 620-750 nm) क्रम में रखा गया है, जिसमें हर रंग की एक खास नैनोमीटर (nm) रेंज होती है, जो इंद्रधनुष और रंग देखने की क्षमता को समझाने में मदद करती है।गुलाबी, बैगनी, हरा, लाल पीला,यानी जो भी रंग है उसमें पारदर्शिता नहीं है अतः रंग माया है और जिसमें कोई रंग नहीं है वो पारदर्शी है जिसमें हर कुछ दीखता है जैसे शीशा पारदर्शी है इस कारण मनुष्य रंगों के चक्कर में भटकता रहता है कोई गोरा दीखता है कोई काला और गोरा को सुन्दर पाकर बहुत खुश होता है और पत्नी बनाकर माया के जाल में भटकता रहता है लेकिन उसके विचारों पर ध्यान नहीं देता विचार महत्वपूर्ण है रंग नहीं क्योंकि उसका एक दिन नष्ट होना तय है और जब शरीर का नाश होता है तो मानव निश्चित ही एक योनि से दूसरे योनि में भटकता रहता है मानव योनि में कुछ विशेष लोगों जो राम भक्त होते हैं उन्हें शक्तियां प्रदान कर देता है जो आम जनमानस को मार्गदर्शन करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर प्रभु राम के द्वारा प्रदत शक्ति से उसका कल्याण करते हैं।

गुरु तत्व वास्तव में ईश्वर ही तत्व है जब तक में गुरु और ईश्वर को एक नहीं मानना सीखोगे तब तक में तुम ना गुरु को पहचान पाओगे और ना ही ईश्वर को पहचान पाओगे। भगवान राम को ईश्वर मानने का अर्थ यह हो जाता है कि तुम उस राम की शक्ति के माध्यम से ही ईश्वर के पास पहुंचोगे। बिना राम की भक्ति और समर्पण के कोई भी शक्ति तुम्हारी सहायता नहीं कर सकती। इसको क्वांटम फिजिक्स से समझो जो डिस्टोर्टेड एनर्जी है क्वांटम फील्ड जो बिगड़ चुकी है उसके अंदर जब तक में सिंक्रोनाइजेशन नहीं होगा कोहरेंस नहीं होगा तब तक में और शक्ति बढ़ेगी नहीं और जब बढ़ेगी नहीं तो तुम्हारा कल्याण क्या होगा। इस कारण गुरु को समर्पण बहुत आवश्यक है और समय आने पर धीरे-धीरे गुरु शक्ति अपने को ईश्वरीय शक्ति में विलीन कर लेती है और एक अवस्था के बाद तुमको खुद श्रम करके आगे बढ़ना होता है वहां पर भगवान राम और भक्त अपनी साधना से उनके चरणों में पहुँचने का मार्ग पता हैं और सारे कष्ट से मुक्त होता है ।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सभी देशों को आत्महत्या रोकथाम को अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाना समय की माँग

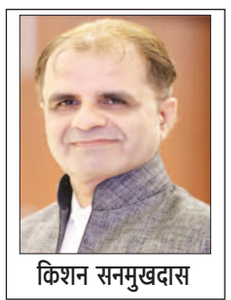

किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता की प्रगति के साथ -साथ मानसिक,सामाजिक और आर्थिक जटिलताएँ भी बढ़ती गई हैं। इन्हीं जटिलताओं से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है,आत्महत्या। यह केवल किसी व्यक्ति का निजी निर्णय नहीं होता,बल्कि इसके पीछे सामाजिक मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों का गहरा प्रभाव होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर आत्महत्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक माना जाता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, हर साल लगभग 7 लाख लोग आत्महत्या करके अपनी जान गंवाते हैं, जिसका अर्थ है कि हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं,बल्कि वैश्विक संकट है। जिसका समाधान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मिट बुलाकर करना समय की मांग है। बता दे भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति की घोषणा की है।यह देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है जिसमें वर्ष 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10 पर्सेंट की कमी लाने के लिये समयबद्ध कार्य योजना और बहु-क्षेत्रीय सहयोग शामिल है।यह रणनीति आत्महत्या की रोकथाम के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र रणनीति के अनुरूप है।

साथियों बात अगर हम आत्महत्या क्या है और क्यों की जाती है? किस देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या होती है? इसको समझने की करें तो, आत्महत्या का सामान्य अर्थ है, व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपनी जान लेना। यह निर्णय किसी क्षणिक आवेग का नहीं, बल्कि लंबे समय तक चले मानसिक और सामाजिक दबाव का परिणाम होता है। डब्लूएचओ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, आत्महत्या करने वालों में से लगभग 77 पर्सेंट लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों से होते हैं,जहाँ मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ सीमित होती हैं और सामाजिक कलंक के कारण लोग मदद माँगने से कतराते हैं। आत्महत्या के मुख्य कारणों में डिप्रेशन,बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया, नशे की लत, तथा सामाजिक अलगाव प्रमुख हैं। इसके अलावा रिश्तों में असफलता, बेरोजगारी, आर्थिक तंगी,घरेलू हिंसा और युवाओं पर शिक्षा व करियर का दबाव भी आत्महत्या के प्रमुख कारक हैं।वैश्विक स्तर परआत्महत्या की दर हर देश में अलग-अलग है।डब्ल्यूएचओ की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि लिथुआनिया दक्षिण कोरिया,रूस, गुयाना और जापान जैसे देशों में प्रति 1 लाख आबादी पर आत्महत्या दर सबसे अधिक दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, लिथुआनिया में यह दर लगभग 25.7 प्रति 1 लाख है, जबकि दक्षिण कोरिया में लगभग 20.2 प्रति 1 लाख। वहीं भारत और चीन जैसे देशों में कुल आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है,क्योंकि यहाँ जनसंख्या बहुत बड़ी है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरब) 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में 1.64 लाख से अधिक आत्महत्याएँ दर्ज की गईं, यानें हर दिन औसतन 450 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या दैनिक वेतन बोगियों, छात्रों और किसानों की है। जापान में आत्महत्या लंबे समय से सामाजिक समस्या रही है,जहाँ हर साल लगभग 20,000 से अधिक लोग जीवन समाप्त कर लेते हैं। साथियों बात अगर हम आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती होने की करें तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह स्वीकार किया गया है कि आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या मानना उचित नहीं है। डब्ल्यूएचओ और अंतर्राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम संघ (आईएएसपी) के विशेषज्ञ मानते हैंकि आत्महत्या दरअसल मानसिक,सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों का परिणाम है। 2021 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के पीछे गरीबी, सामाजिक असमानता, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा का अभाव जैसी समस्याएँ भी प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं। युवाओं मेंआत्महत्या की दर विशेष रूप से चिंताजनक है।15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। डिजिटल युग में साइबर बुलिंग, ऑनलाइन दबाव और सोशल मीडिया की अवास्तविक अपेक्षाएँ भी युवाओं को आत्महत्या की ओर धकेल रही हैं।

साथियों बात अगर हम आत्महत्या रोकने के उपायों की करें तो शोध और डेटा संग्रह आत्महत्या रोकथाम की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। डब्लूयुएचओ की मेन्टल हेल्थ अटलस 2020 रिपोर्ट बताती है कि दुनियाँ के 80 पर्सेंट से अधिक देशों में आत्महत्या से संबंधित डेटा उपलब्ध नहीं है या अधूरा है। इससे नीतियों का निर्माण कठिन हो जाता है। आईएएसपी लगातार इस दिशा में अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रहा है। अमेरिका और यूरोप के देशों ने आत्महत्या रोकथाम पर व्यापक शोध कियाी है,जिससे यह साबित हुआ है कि कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी), साइकोसोशल सपोर्ट, हेल्पलाइन सेवाएँ और सामुदायिक सहयोग आत्महत्या रोकने में बहुत प्रभावी हैं।पेशेवरों को प्रशिक्षित करना भी इस दिशा में अत्यंत आवश्यक है डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाँ भर में प्रति 1 लाख लोगों पर औसतन केवल 13 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर हैं, जबकि विकसित देशों में यह अनुपात बहुत अधिक है। इस असमानता के कारण निम्न और मध्यम आय वाले देशों में आत्महत्या रोकथाम चुनौतीपूर्ण बन जाती है। यदि डॉक्टर, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और पुलिसकर्मी आत्महत्या के संकेतों को पहचानने और सही समय पर हस्तक्षेप करने में प्रशिक्षित हों, तो कई जिंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। साथियों बात अगर हम आत्महत्याओं को रोकने के लिए शिक्षा और संवाद की आवश्यकता सबसे मजबूत हथियार होने की करें तो, आईएएसपी और डब्लूयुएचओ दोनों ही यह मानते हैं कि सार्वजनिक जागरूकता से आत्महत्या की प्रवृत्ति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डब्लूयुएचओ की 2022 की रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य पर संवाद बढ़ाने से आत्महत्या दर में 20 पर्सेंट तक की कमी लाई जा सकती है।आज भी अधिकांश समाजों में मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या को लेकर सामाजिक कलंक मौजूद है। लोग इस विषय पर बात करने से कतराते हैं।इसका परिणाम यह होता है कि पीड़ित व्यक्ति अकेलेपन और शर्मिंदगी का शिकार हो जाता है। युवाओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना और उन्हें यह समझाना कि मदद माँगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस है,अत्यंत आवश्यक है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में काउंसलिंग सेवाएँ, हेल्पलाइन नंबर, मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएँ शुरू करना उपयोगी साबित हो सकता है। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया और जापान ने स्कूल स्तरपरमानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की है, जिससे आत्महत्या की दर कम करने में मदद मिली है।

साथियों बात अगर हम आत्महत्या की रोकथाम के वैज्ञानिक और सामाजिक उपायों की करें तो,आत्महत्या रोकथाम के लिए बहुआयामी उपाय आवश्यक हैं।डब्लूयुएचओ की लाइव लाइफ रणनीति (2021) में चार प्रमुख उपाय सुझाए गए हैं (1) हानिकारक साधनों की उपलब्धता को कम करना (जैसे कीटनाशक, आग्नेयास्त्र,दवाइयाँ), (2) मीडिया रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार दिशानिर्देश बनाना,(3) किशोरों और युवाओं में सामाजिक व भावनात्मक कौशल विकसित करना,(4) जल्दी पहचान और सहायता उपलब्ध कराना।इन उपायों से आत्महत्या की दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उदाहरण के लिए, श्रीलंका ने कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाकर आत्महत्या की दर को 70 पर्सेंट तक घटा दिया। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने हेल्पलाइन और काउंसलिंग सेवाओं का विस्तार कर-के आत्महत्या रोकथाम में सफलता प्राप्त की हैं।

साथियों बात अगर हम इसका रोकथाम दिवस मनाकर इसपर जबरदस्त नियंत्रण की करें तो,10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है,आत्महत्या की समस्या वैश्विक है और इसका समाधान भी वैश्विक सहयोग से ही संभव है।डब्लूएचओ, आईएएसपी और यूएन लगातार आत्महत्या रोकथाम पर काम कर रहे हैं। जिसका उद्देश्य जागरूकता फैलाना और सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना है।भविष्य की दिशा यह होनी चाहिए कि सभी देश आत्महत्या रोकथाम को अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाएँ। डिजिटल तकनीक का उपयोग करके एआई आधारित हेल्पलाइन, 24७7 ऑनलाइन काउंसलिंग, मोबाइल एप्स विकसित किए जाएँ, ताकि संकट की घड़ी में लोग तुरंत मदद पा सकें। इसके अलावा आत्महत्या के प्रयास करने वालों को अपराधी मानने की बजाय रोगी समझा जाए और उन्हें उचित चिकित्सा एवं परामर्श दिया जाए।

अतः अगर हम अपने पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इस प्रकार, आँकड़ों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के आधार पर यह स्पष्ट है कि आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि एक जटिल सामाजिक और वैश्विक चुनौती है। इसके समाधान के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, समुदायों और परिवारों को मिलकर काम करना होगा।

भारत ने बिछाई बड़ी कूटनीतिक बिसात तो सौदेबाजी की मेज पर भागता हुआ आया अमेरिका

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अमेरिका यात्रा ऐसे समय हो रही है जब वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा और व्यापारिक खींचतान एक दूसरे में उलझ चुकी हैं। जयशंकर की यह यात्रा आपूर्ति श्रृंखला, दुर्लभ खनिज, रक्षा सहयोग और व्यापार समझौते पर नए संतुलन की तलाश है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो की पहल पर आयोजित महत्वपूर्ण खनिज मंत्री स्तरीय बैठक में जयशंकर की भागीदारी इस बात का संकेत है कि आने वाले दशक की शक्ति राजनीति खनिज, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा के इर्द गिर्द घूमेगी।

इस यात्रा का पहला स्पष्ट लक्ष्य महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब यह समझ चुकी हैं कि दुर्लभ खनिजों पर निर्भरता केवल आर्थिक विषय नहीं बल्कि सामरिक प्रश्न है। चीन जैसे प्रमुख आपूर्तिकताओं पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की मुहिम में भारत को एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। भारत की खनिज क्षमता, विशाल बाजार और तकनीकी मांग उसे इस खेल का केन्द्रीय खिलाड़ी बनाती है।

जयशंकर की यह यात्रा सात महीने बाद उनकी पहली द्विपक्षीय अमेरिका यात्रा है। पिछली यात्रा उस समय हुई थी जब अमेरिका ने भारत पर कड़े शुल्क नहीं लगाए थे। इन महीनों में बहुत कुछ बदल गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद शुल्क को हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और रूस से तेल खरीद पर दंडात्मक शुल्क ने संबंधों में कड़वाहट घोली। अब संकेत मिल रहे हैं कि वाशिंगटन नरमी दिखा सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि रूस से तेल खरीद घटने पर अतिरिक्त शुल्क हटाने का रास्ता है। साथ ही वेनेजुएला से तेल खरीद फिर शुरू करने की अनुमति का संदेश भी दिया गया है। यह सब केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि वार्ता की मेज पर सौदेबाजी के पत्ते हैं।

दिलचस्प यह है कि इसी बीच भारत ने 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता पूरा कर लिया। इसने अमेरिका को यह संदेश दिया कि नई दिल्ली विकल्प तलाशने में सक्षम है। अटलांटिक परिषद से जुड़े विशेषज्ञ मार्क लिंस्काट का आकलन है कि भारत यूरोप समझौता अमेरिका भारत व्यापार वार्ता को तेज कर सकता है। साफ है कि वाशिंगटन भारत

को खोना नहीं चाहता। वैसे भी भारत और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व की हालिया बातचीत और सार्वजनिक बयानों से यह आभास भी मजबूत हो रहा है कि दोनों देश लंबित व्यापार समझौते को अब अधिक देर तक टालना नहीं चाहते। पिछले महीनों में फोन पर हुई वाताओं, मंत्रिस्तरीय संपर्क और समान हितों पर दिए गए जोर से यह संकेत मिलते हैं कि माहौल को जानबूझकर सकारात्मक बनाया जा रहा है। ऐसे में जयशंकर की अमेरिका यात्रा को केवल खनिज या सामरिक चर्चा तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे संभावित व्यापार समझौते की राह साफ करने वाली पहल के रूप में भी समझा जा रहा है। कूटनीतिक गलियारों में यह धारणा बन रही है कि यदि इस यात्रा में मुख्य अड़चनों पर सहमति का रास्ता निकलता है तो यह आगे की औपचारिक वार्ता के लिए हरी झंडी जैसा होगा, जिसके बाद मोदी सरकार अंतिम राजनीतिक स्वीकृति देकर समझौते पर मुहर लगा सकती है। यानी यह दौरा भविष्य के बड़े आर्थिक फैसले की भूमिका भी लिख सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि अपनी यात्रा से पहले जयशंकर ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उनके साथ अमेरिकी संसद के सदस्य जिमी पैट्रोनिस, माइक रोजर्स और एडम स्मिथ भी मौजूद रहे। बातचीत में व्यापार, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, हिंद प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन संघर्ष जैसे विषय शामिल रहे। यह केवल शिष्टाचार भेंट नहीं बल्कि जमीन तैयार करने वाली बातचीत थी। गोर ने भारत को अमेरिका का अहम भागीदार बताया और साझा सामरिक हितों पर जोर दिया। साथ ही अमेरिकी संसदीय दल की जनवरी में नई दिल्ली यात्रा भी रक्षा तकनीक सहयोग, सह उत्पादन और सह विकास पर केंद्रित रही। संदेश साफ है कि रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग संबंधों की रीढ़ बन सकता है।

अब इस पूरे घटनाक्रम को भारत के केंद्रीय बजट की घोषणाओं से जोड़कर देखिये। मोदी सरकार ने ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिज संपन्न राज्यों में दुर्लभ खनिज गलियारे बनाने का प्रस्ताव रखा है। खनन, प्रसंस्करण, अनुसंधान और निर्माण को बढ़ावा देने की योजना सीधे उसी दिशा में जाती है जिस पर अमेरिका और उसके सहयोगी काम कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर अभियान के लिए ये खनिज अनिवार्य हैं। बैटरी भंडारण के लिए लिथियम आयन कोश निर्माण, सौर कांच के लिए सोडियम एंटिमोनेट, परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आयातित सामान पर मूल शुल्क छूट, मिश्रित सीएनजी पर उत्पाद शुल्क गणना से जैव गैस को बाहर रखना और बैटरी भंडारण परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर सहायता को पांच गुना बढ़ाना दिखाता है कि भारत ऊर्जा और प्रौद्योगिकी की नई दौड़ के लिए तैयारी कर रहा है। 2030 तक पांच सौ गीगावाट गैर जीवाश्म ऊर्जा और 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य भारत की नई सामरिक दिशा है। निजी भागीदारी खोलने वाला परमाणु ऊर्जा कानून भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

सच यह है कि दुनिया नए शीत युद्ध जैसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां गोलियों से ज्यादा खनिज, चिप और ऊर्जा की आपूर्ति श्रृंखला ताकत तय करेगी। जयशंकर की यात्रा को केवल कूटनीतिक दौरा समझना भूल होगी। यह भारत की बहुस्तरीय चाल है। एक ओर अमेरिका से तनाव घटाना, दूसरी ओर अपने हितों पर अडिग रहना, और साथ साथ यूरोप, रूस तथा अन्य साझेदारों के साथ संतुलन बनाए रखना आसान नहीं। पर भारत अब रक्षात्मक नहीं, सौदेबाज की मुद्रा में दिख रहा है।

अमेरिका को भी समझना होगा कि शुल्क की लाठी से साझेदारी नहीं चलती। यदि वह भारत को सचमुच चीन का विकल्प बनाना चाहता है तो भरोसा, प्रौद्योगिकी साझेदारी और बाजार पहुंच देनी होगी। भारत के लिए भी संदेश साफ है कि आत्मनिर्भर खनिज और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाए बिना कोई सामरिक स्वायत्तता संभव नहीं।

बहरहाल, जयशंकर की कूटनीति की खासियत यही है कि वे मुस्कान के साथ कठोर संदेश देते हैं। अब देखना यह है कि वाशिंगटन इस संकेत को कितना समझता है। अभी जो तस्वीर उभर रही है वह बताती है कि नई दिल्ली ने खेल समझ लिया है और चाल चल दी है।

बछरायूं के साप्ताहिक बाजार में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

बछरायूं/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के थाना बछरायूं पुलिस ने मिशन शक्ति फेस 5.0 अभियान के तहत कस्बे में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान पुलिस ने महिला सशक्तिकरण एवं उनकी सुरक्षा के बारे में उन्हें विस्तार से जानकारी दी और पत्रक वितरण किये। बता दें कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन को बढ़ावा देना है। छात्राओं और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और निराश्रित महिला पेंशन योजना के बारे में विस्तार से समझाया गया।कार्यक्रम में मिशन शक्ति के अंतर्गत सरकार की विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। छात्राओं और ग्रामीण महिलाओं को साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 और पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181, 1098 से अवगत कराया गया, ताकि वे अपनी सुरक्षा के प्रति अधिक जागरूक हो सकें और इन सेवाओं का लाभ उठा सकें।थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने मिशन शक्ति अभियान में टीम की हौसला अफजाई की। इस अवसर पर मिशन शक्ति प्रभारी संजोग तोमर के साथ मानशी, नीतू, ममता, पारुल, कीर्ति, वर्षा और कल्पना सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

युवा रालोद जिलाध्यक्ष की कृषि भूमि पर अवैध कब्जे का प्रयास, पुलिस-प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

आदमपुर/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के थाना आदमपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नवादा में भू-माफियाओं द्वारा एक कृषक की वैध भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि युवा राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष इरकान अली की स्वामित्व वाली कृषि भूमि पर जबरन कार्य रुकवाते हुए विवाद खड़ा किया गया और धमकियां दी गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 जनवरी को इरकान अली अपनी कृषि भूमि गाटा संख्या 94 (रकबा लगभग 1700 वर्ग मीटर) पर समतलीकरण का कार्य करवा रहे थे। इसी दौरान ब्रजकिशोर शर्मा, हरिरामन शर्मा, मुकेश शर्मा, मुनेश शर्मा एवं अतुल शर्मा निवासी ग्राम गारबपुर, मौके पर पहुंचे और भूमि को अपनी बताते हुए कार्य रुकवा दिया। आरोप है कि उक्त लोगों ने न केवल विवाद किया, बल्कि अवैध कब्जे का प्रयास करते हुए धमकी भी दी। स्थिति बिगड़ती देख पीड़ित पक्ष द्वारा तत्काल डायल 112 पर सूचना दी गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष आदमपुर को लिखित तहरीर दी गई है। वहीं उपजिलाधिकारी हसनपुर को भी प्रार्थना पत्र देकर पूरे प्रकरण से अवगत कराया गया है, ताकि प्रशासनिक एवं राजस्व स्तर पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। युवा रालोद जिलाध्यक्ष इरकान अली ने प्रशासन से मांग की है कि नामजद आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, जिससे कानून-व्यवस्था बनी रहे और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र न्यायसंगत कार्रवाई नहीं हुई, तो मामले को उच्च प्रशासनिक अधिकारियों एवं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के संज्ञान में लाया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मामला केवल एक कृषक की भूमि का नहीं, बल्कि क्षेत्र में कानून के राज और सुरक्षा व्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय कार्यक्रम का समापन

विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- सिख इंटर कॉलेज, नारंगपुर द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र, विकासखंड जोया में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रम का भव्य समापन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया तथा सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। समापन कार्यक्रम में प्रभारी यातायात अनुज मलिक, डॉ. सिद्धार्थ पांडे (प्रवक्ता, राष्ट्रीय सेवा योजना), विद्यालय के प्रधानाचार्य गुरनाम सिंह सहित विद्यालय के समस्त अध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क पर सुरक्षित चलने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग, यातायात संकेतों के पालन, ओवरस्पीडिंग से बचने, तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रभारी यातायात अनुज मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि यातायात नियम केवल कानून नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा का आधार हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं नियमों का पालन करें तथा अपने परिवार एवं समाज को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि यदि युवा पीढ़ी जिम्मेदारी से सड़क पर व्यवहार करे, तो सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई, जिसमें सभी ने नियमों का ईमानदारी से पालन करने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रबंधक द्वारा सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा एक स्वर में यातायात नियमों के पालन का आह्वान किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं सड़क सुरक्षा के संदेश के साथ किया गया।

धनौरा क्षेत्र में राजस्व विभाग की टीम ने बंजर भूमि से हटवाया अवैध कब्जा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र गांव फंदेड़ी सादात में राजस्व विभाग की टीम ने कार्यवाही करते हुए भारी पुलिस बल के साथ बंजर भूमि से अवैध कब्जा हटवाया है। राजस्व विभाग की टीम द्वारा की गई इस कार्यवाही को उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव के निर्देश पर किया गया है,इस भूमि को गाटा संख्या 282 पर दर्ज बंजर श्रेणी में रखा गया है। बता दें कि इस बंजर भूमि के 100 वर्ग मीटर क्षेत्र में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण प्रस्तावित है। भूमि की पैमाइश के बाद जब इसे संबंधित विभाग को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हुई, तो मेड़ मिलान के दौरान एक स्थानीय काश्तकार द्वारा भूमि के कुछ हिस्से पर अवैध कब्जा पाया गया। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल राजस्व विभाग की टीम गठित कर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए।राजस्व लेखपाल उपेंद्र सिंह, अनुज कुमार, मोहित चौधरी, निशांत चौहान और धनराज यादव शामिल थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई पूरी होने के बाद इसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

नौगांवा क्षेत्र में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में कोर्ट के आदेश पर 7 महीने बाद केस दर्ज

नौगांवा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगांवा सादात क्षेत्र में 7 महीने पहले एक किसान को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में कोर्ट के आदेश पर लॉटरी का काम करने वाले एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने कार्यवाही को न्यायालय के आदेश पर किया है। बता दें कि याहियापुर गांव निवासी धर्मपाल सिंह के बेटे हरवेंद्र का मखदुमपुर गांव के मारूफ से परिचय था। हरवेंद्र के मारूफ पर दो कमेटी के पैसे उधार थे, जिन्हें मारूफ कथित तौर पर वापस नहीं कर रहा था। 13 जुलाई 2025 को मारूफ ने हरवेंद्र को फोन कर कमेटी के पैसे ले जाने के लिए बुलाया। हरवेंद्र को बीज और दवाई की दुकानदारों को भुगतान करना था, इसलिए वह घर से 70 हजार रुपये लेकर गया था। हालांकि, वह शाम तक घर नहीं लौटा। परिवार के सदस्यों ने हरवेंद्र की तलाश शुरू की और पीलाकुंड गांव की तरफ पहुंचे। वहां रामनिवास के खेत में एक सेमल के पेड़ से रस्सी के फंदे पर हरवेंद्र का शव लटका मिला। पुलिस ने मौके से हरवेंद्र का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया था। 11 जुलाई 2025 को थाना पुलिस ने हरवेंद्र का फोन परिवार को वापस किया। परिवार ने जब हरवेंद्र के मोबाइल की व्हाट्सएप चैट देखी तो उसमें पांच मैसेज मिले। इन मैसेज में लिखा था, "मारूफ आज तूने अच्छा नहीं किया मेरे 70 हजार रुपये छीन कर। यह रुपये घर वालों के थे, अब मैं क्या करूं बता, मेरे पास कोई रास्ता नहीं है सुसाइड के अलावा। मैं तेरी वजह से मर रहा हूं मारूफ बस और कोई बात नहीं है।" हालांकि, ये मैसेज मारूफ तक डिलीवर नहीं हो पाए थे।धर्मपाल सिंह ने इस संबंध में पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सीओ अवधभान भदोरिया ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर मारूफ के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कृषकों के बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा कवच है, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना

अमरोहा (सब का सपना):- किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते है। उनके उत्थान, सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई योजनायें संचालित की है। सरकार प्राकृतिक संसाधनों-मृदा, जल एवं कृषि सम्बन्धी जैव विविधता के समुचित संरक्षण देश/प्रदेश की कृषि उत्पादन नीतियों के विनिर्माण एवं क्रियान्वयन तथा संसाधनों को अक्षुण्य बनाये रखते हुए उत्तरोत्तर वृद्धि परक उत्पादन के आयाम विकसित करने के लिए सतत प्रयासरत है। प्रदेश सरकार कृषि विकास की दर को गति प्रदान करने के साथ-साथ फसलोत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि करने हेतु कई नीतियाँ/योजनाये संचालित की है, जिससे प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर उनके जीवन स्तर को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से ऊपर उठाया जा सके। किसानों के हित में भारत सरकार ने प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना संचालित किया है, जिसके अंतर्गत किसानों को वार्षिक रु० 6,000/- प्राप्त होते है। इससे सरकार ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। उसी तरह केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना आरम्भ किया है। जिसके अंतर्गत किसानों को 60 वर्ष के उपरान्त रु० 3,000/- मासिक अर्थात 36 हजार रुपए सालाना पेंशन दी जाती है। केन्द्र सरकार की इस योजना को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में लागू कर किसानों को लाभान्वित कर रहे हैं। किसानों को वृद्धावस्था में किसी के सामने रूपयों के लिए हाथ न फैलाना पड़े, वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रहे, उनका मान-सम्मान बना रहे, सरकार ने इस पर विशेष ध्यान दिया है। प्रदेश में प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के तहत प्रदेश के सभी किसान लाभ ले सकते हैं। जिन किसानों की आयु 18 से 40 वर्ष तक है, वे किसान इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के बाद किसान को प्रत्येक माह प्रीमियम जमा करना होता है। 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले किसान को प्रतिमाह 55 रुपए एवं 40 वर्ष की आयु के किसान को रू0 200/- महीना प्रीमियम जमा करना होता है। इस योजना के तहत 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान किसान द्वारा एवं 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है। यदि प्रदेश का कोई किसान स्वैच्छिक रूप से प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना का लाभ लेना चाहता है और वह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभार्थी है तो उसके रजिस्ट्रेशन के लिए किसी तरह के कागजी कार्यवाही की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि उसके सभी कागजाद प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में संलग्न है। प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए किसान अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र पर जाकर पंजीकरण करवा सकते हैं। प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना प्रदेश के लघु एवं सीमान्त कृषकों सहित सभी किसानों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने एवं वृद्धावस्था में उनकी आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वैच्छिक रूप से पुरुष व महिला दोनों के लिए 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर रू0 3000 प्रति माह दिये जाने की एक सुनिश्चित मासिक पेंशन योजना है।

यह एक स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना है। प्रदेश में इस योजनान्तर्गत दिसम्बर, 2025 तक 2.52 लाख से अधिक किसान लाभार्थियों को कार्ड उपलब्ध कराया जा चुका है। प्रदेश सरकार अधिक से अधिक कृषकों को इस योजना से लाभान्वित करा कर उन्हें आर्थिक रूप आत्मनिर्भर बना रही है।

राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए एकजुटता से ही देश होगा मजबूत:- आचार्य प्रमोद कृष्णम

बुरावली/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम बुरावली में श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम का ग्रामीणों और समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। भाजपा नेता रिफाकत चौधरी के आवास पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। आचार्य प्रमोद कृष्णम का रिफाकत चौधरी ने शॉल ओढ़ाकर और फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राष्ट्र की एकता और अखंडता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि "आज निजी स्वार्थ के चलते समाज को जातियों और धर्मों में बांटने की कोशिशें की जा रही हैं। ऐसी विभाजनकारी सोच के चलते राष्ट्र की एकता के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। हमें ऐसी किसी भी सोच को पनपने नहीं देना है और एकजुट होकर इसका डटकर विरोध करना है।"

उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्र से बड़ा कुछ भी नहीं है। जब देश सुरक्षित और संगठित रहेगा, तभी नागरिक खुशहाल रहेंगे। इसलिए सभी को अपने व्यक्तिगत मतभेदों को भुलाकर केवल राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक महेंद्र खड़गवंशी, कृष्ण कुमार शर्मा, मनीष त्यागी, जाकिर चौधरी, अखिलेश शास्त्री और रिजवान चौधरी सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

डिडौली क्षेत्र में कार व पिकअप की टक्कर में तीन लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में डिडौली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 स्थित गांव नीली खेड़ी के निकट एक कार व पिकअप की आपस में टक्कर हो गई ,इस हादसे में कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी अनुसार दिल्ली से बरेली की तरफ जा रही एक होंडा कार पीछे से पिकअप में जाकर टकरा गई, जिससे कार सवार तीन लोग घायल हो गए, तीनों घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया और दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू रूप से बहाल किया गया। बता दें कि पूरा मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव नीली खेड़ी के निकट का है जहां पर एक तेज रफ्तार होंडा कार आगे चल रही सब्जी से भरी पिकअप गाड़ी में जा घुसी। प्रत्यक्षदर्शीयों के मुताबिक बताया गया कि दिल्ली से बरेली की ओर जा रही है एक पिकअप गाड़ी में उसी दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार होंडा कार पीछे से जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार अभय कुमार पुत्र कुंदन सिंह ,अंकित कुमार पुत्र शकुन सिंह और अभिषेक पुत्र राजीव कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। यह सभी दिल्ली के ए4अ ज्योति कॉलोनी 32 के निवासी बताए गए हैं। हादसा होते ही मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई और यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया। उधर सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई पुलिस ने तीनों घायलों को जोया के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात को सुचारू रूप से चालू कराया। इस मामले में डिडौली थाना प्रभारी हरिश्वर्धन ने बताया कि दोनों पक्षों में आपसी समझौते की बात चल रही है यदि किसी की तरफ से तहरीर प्राप्त होती है तो आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

लम्बित प्रकरणों की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित समयावधि में उचित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कलैक्ट्रेट स्थित कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी कार्यालय, शस्त्र अनुभाग, औषधि निरीक्षक कार्यालय, रिकार्ड रूम, राज्य कर अधिकारी, आपदा कार्यालय, जे0ए0 कार्यालय, ई0आर0के0, सी0आर0ए0, नजाऱत, खनन कार्यालय आदि सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण कर सम्बन्धित कार्यालयों के अधिकारी व कर्मचारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होनें सभी कार्यालयों में पटलवार लम्बित प्रकरणों की जानकारी प्राप्त कर उनके निर्धारित समयावधि में उचित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होनें ई0आर0के0 कार्यालय में निरीक्षण के समय लम्बित मुख्यमंत्री सन्दर्भ पर नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों के स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय में अनुपयोगी सामान मिलने पर निर्देशित किया गया कि निष्प्रयोज्य सामान की नीलामी कराएं और अगर उपयोग में लाया जा सकता है तो मरम्मत कराकर उपयोग किया जाए। कार्यालयों में निष्प्रयोज्य एवं अनुपयोगी सामग्री को इकट्ठा न करें। जिलाधिकारी ने कहा कि अपने कार्यालय को आदर्श कार्यालय बनाएं। कार्यालयों का रख रखाव इस तरह रखें जिस तरह अपने घर का रखते हैं। जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट के निरीक्षण करने पर नाजिर सदर को निर्देश दिये गये कि शौचालयों की साफ-सफाई, पानी की उचित व्यवस्था होनी चाहिये। जिलाधिकारी ने महत्वपूर्ण कार्यालयों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे, कलेक्ट्रेट में अग्निशमन यन्त्र, अभिलेखों और पत्रावलियों का रख-रखाव, रजिस्टर मेन्टेन, आवश्यक जगह पर कूड़ादान, लटकते तार, अलमारी के ऊपर समान न रखना, नियमित साफ-सफाई आदि बिन्दुओं पर सम्बन्धित अधीनस्थों को दिशा-निर्देश दिये। उन्होने कार्मिको की सर्विस बुक और जी0पी0एफ0 सम्बन्धित रजिस्टर अद्यतन रखने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0/रा) गरिमा सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

गाँव की समस्या गाँव में समाधान ग्राम चौपाल का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- विकासखण्ड जुनावई के ग्राम हुमायूँपुर मजरा हैदराबाद में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को लेकर ग्राम चौपाल गाँव की समस्या गाँव में समाधान का आयोजन जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में किया गया। ग्राम चौपाल में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उ. प्र. धर्मवीर प्रजापति एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू रहे। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वप्रथम आईसीडीएस विभाग के अन्तर्गत प्रभारी मंत्री द्वारा गोद भराई एवं अन्न प्राशन कराया।ग्राम प्रधान कल्लो देवी द्वारा प्रभारी मंत्री का पुष्प एवं पुस्तक देकर स्वागत सम्मान किया तथा मुख्य विकास अधिकारी द्वारा भाजपा के जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू का पुष्प एवं पुस्तक देकर स्वागत सम्मान किया गया तथा भाजपा के मंडल अध्यक्ष योगेंद्र यादव का भी पुष्प एवं पुस्तक देकर स्वागत सम्मान किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक द्वारा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित प्रमुख बिंदुओं के विषय में जानकारी दी उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर हाइपरटेंशन डायबिटीज सर्वाइकल कैंसर 102 एम्बुलेंस 108 एंबुलेंस एवं एएलएस एम्बुलेंस के विषय में भी बताया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम चौपाल की संक्षिप्त रूप रेखा के विषय में जानकारी दी उन्होंने आज से प्रारंभ हुए संपूर्णता अभियान 2.0 के शुभारंभ के विषय में भी बताया उन्होंने कहा कि लखपति दीदी छोटे-छोटे व्यापार करें विकसित भारत बनाने में अपना योगदान दें उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा और विकास में सभी को संतृप्त करना है ।सरकारी अस्पतालों में ही प्रसव करायें एवं लखपति दीदी के माध्यम से हमें प्रत्येक परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। शासन की समस्त योजनाओं को ग्रामवासी जाने इसके लिए भी अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए। प्रभारी मंत्री द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि शासन की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने का उद्देश्य ही ग्राम चौपाल का उद्देश्य है उन्होंने कहा कि सरकार ने लोगों को घर की चिंता से मुक्त किया है । शौचालय, पढ़ाई लिखाई ,राशन ,गोल्डन कार्ड आदि पर सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाया जा रही हैं इसके माध्यम से लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। सरकार बेटियों की शिक्षा के साथ-साथ उनकी शादी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी कार्य कर रही है। प्रभारी मंत्री द्वारा ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों से कहा कि बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें बेटे एवं बेटियों में कोई भेद न करें और उन्होंने कहा कि गांव की साफ सफाई पर भी ध्यान दिया जाए।

ग्राम चौपाल के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक सुरक्षाओं से जुड़े लाभार्थियों को मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.तरुण पाठक, जिला विकास अधिकारी राम आशीष,डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग एवं खंड विकास अधिकारी जुनावई अखिलेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नूरपुर में स्कूल बस और डंपर की भिड़ंत, चार छात्र घायल

बिजनौर (सब का सपना):- नूरपुर क्षेत्र में सोमवार सुबह एक स्कूल बस जब बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी तभी चांदपुर रोड पर डंपर से भिड़ंत हो गई। हादसे में रूट्स स्कूल के चार छात्र घायल हो गए, जिनमें एक छात्र के पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है। बस में कुल 40 बच्चे सवार थे। यह दुर्घटना चांदपुर रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास उस वक्त हुई, जब रूट्स स्कूल की बस रतनगढ़ और लिंडरपुर गांवों से बच्चों को लेकर स्कूल की ओर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सामने से आ रहे डंपर ने ओवरटेक करते समय बस में टक्कर मार दी, जिससे बस में बैठे बच्चों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल बच्चों को बस से बाहर निकालकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों में दक्ष (विपिन का पुत्र), माधव (प्रशांत का पुत्र), युवान (भविराज का पुत्र) और अनंत तोमर (प्रशांत तोमर का पुत्र) शामिल हैं। इनमें दक्ष के पैर में फ्रैक्चर होने पर उसे बिजनौर रेफर किया गया है। सूचना पर थानाध्यक्ष विकास कुमार तेवतिया और कस्बा इंचार्ज उपनिरीक्षक श्रीकांत सत्यार्थी मौके पर पहुंचे। स्कूल चेयरमैन शांतनु गुप्ता और व्यवस्थापक दिनेश त्यागी ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर बच्चों के परिजनों को हर संभव चिकित्सकीय सहायता का भरोसा दिलाया। सीओ चांदपुर देश दीपक सिंह ने बताया कि डंपर चालक द्वारा ओवरटेक के दौरान बस में टक्कर मारी गई। डंपर को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बालिकाओं व महिलाओं को किया गया जागरूक

सम्भल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण व स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत सोमवार को जनपद सम्भल में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान महिला संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु चौपाल का आयोजन किया गया तथा महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने का संदेश दिया गया। अभियान के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओं की सुरक्षा एवं स्वावलंबन से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी पंपलेट के माध्यम से वितरित की गई, जिनमें वीमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 (पैनिक बटन का मोबाइल पर डेमो), मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्पलाइन-181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 शामिल हैं। इसी क्रम में थाना चन्दौसी पर SPEL 3.0 कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर अपराध से संबंधित जागरूकता दी गई। SPEL 3.0 में आवेदन करने वाले बच्चों को साइबर सुरक्षा के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षक चन्दौसी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक/नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी ज्योत्सना शर्मा तथा धन सिंह उपस्थित रहे।

स्कूल की छात्राओं को सिखाए गए आत्मरक्षा के गुण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशानिदेर्शों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म रक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत सोमवार को ग्राम आटा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, कस्तूरबा बालिका विद्यालय सरथल खेड़ा, नेहरू कंपोजिट जूनियर विद्यालय, विनोबा भावे विद्यालय व सरोजिनी नायडू की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर मुकाबला कर सकें, प्रशिक्षक सुरेश कुमार, पूर्वी व संतराम, ब्रजेश व रितेश ने छात्राओं व लेग राइज, फ्रंट किक, साइड किक, अपर ब्लॉक्स व फेस पंच आदि की ट्रेनिंग दी, सुरेश कुमार ने बताया कि सभी छात्राएं सेल्फ डिफेंस सीखने के लिए काफी उत्साहित हैं, तथा रोजाना अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो रही हैं आत्मरक्षा के प्रशिक्षण से छात्राओं के आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई है ये उनकी किक व पंच की ताकत देखकर साफ पता चलता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले के जूनियर हाई स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ' छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृति , मुख्यमंत्री बाल सेवा आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया, जिससे बालिकाओं/ महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी और पात्र महिलाओं/बालिकाओं को योजनाओं का लाभ मिल सके '

केन्द्रीय बजट नारी सशक्तिकरण का परिचायक : अल्पना भारद्वाज

महिला ग्राम प्रधान अल्पना पंकज भारद्वाज ने संसद में पेश बजट को महिलाओं एवं ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए सर्वसमावेशी बताया है। लखपति दीदी कार्यक्रम के साथ साथ महिलाओं को ऋण आधारित आजीविका से उद्यमों का स्वामी बनाने के लिए प्रस्ताव सराहनीय एवं स्वागत योग्य है।

केन्द्रीय बजट सर्वसमावेशी एवं विकासोन्मुखी: पं.राधेश्याम शर्मा

उ.प्र.राज्य शिक्षक पं.राधेश्याम शर्मा ने संसद में पेश केन्द्रीय बजट को सर्वसमावेशी एवं विकासोन्मुखी बताया है । बजट में बुनकरों एवं कारीगरों के लिए लक्षित सहायता सुनिश्चित करने, आर्थिक प्राथमिकताओं के अनुरूप विदेशी निवेश के लिए समकालीन अनुकूल ढांचा तैयार करने एवं वृद्धों की चिकित्सा और संबद्ध देखभाल सेवाओं को शामिल करते हुए मजबूत देखभाल सेवा परिवेश बनाया जाना सराहनीय एवं स्वागत योग्य है।

केन्द्रीय बजट कृषकों एवं कृषि श्रमिकों के लिए निराशाजनक : चौ.संजय राणा

शिवसेना यूबीटी जिलाध्यक्ष चौ.संजय राणा ने केन्द्रीय बजट को कृषकों एवं कृषि श्रमिकों के लिए निराशाजनक बताया है। आयकर दाताओं के लिए आयकर अधिनियम 2025 को 1 अप्रैल 2025 से लागू न कर 1 अप्रैल 2026 से लागू करना विश्वासघात है । कृषि श्रमिकों के हितों की अनदेखी, किसानों की आय वृद्धि एवं एमएसपी जैसे मुद्दों पर समुचित ध्यान केंद्रित नहीं किया जाना निराशाजनक है ।

वीके इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया विदाई समारोह कार्यक्रम

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- सोमवार को नूरपुर रोड स्थित वी के इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के एम डी शिल्पी कुमार अग्रवाल, ईडी प्रार्थना अग्रवाल तथा प्रधानाचार्य प्रेरणा चौधरी ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया।इसके पश्चात कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने नृत्य एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देना एवं उनके विद्यालय जीवन की मधुर स्मृतियों को संजोए रखना था। विद्यालय के एम डी शिल्पी कुमार अग्रवाल, ईडी प्रार्थना अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के कार्यक्रम की सराहना की। विद्यार्थियों को उनके कर्तव्यों का बोध कराते हुए भाव विभोर हो गए जिससे संपूर्ण विद्यालय परिवेश भावुक हो गया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में प्राप्त शिक्षा विद्यार्थियों को सदैव प्रगति की ओर ले जाएगी। तत्पश्चात विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न भेंट किए गए तथा सभी ने एक-दूसरे के साथ अपने सुखद पलों को साझा किया। यह समारोह सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया। विदाई समारोह के आयोजन में इस वर्ष मिस कंजेनियालिटी दीक्षी व मिस्टर कंजेनियालिटी संकल्प त्यागी रहे। स्टूडेंट ऑफ द ईयर छात्रा वर्ग में वैश्वी त्यागी तथा छात्र वर्ग में नमृत सिंह रहे। इसी क्रम में विद्यालय में शुरू से पढ़ रहे छात्र आगम जैन तथा कृष देव शर्मा को स्कूल चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कक्षा 11वीं की छात्रा अंजलि तथा गीतांशी पाल ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रधानाचार्य प्रेरणा चौधरी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि विद्यालय में सीखे गए संस्कार विद्यार्थियों को सदैव मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल अध्यापिका समाना नकवी, आशू सैनी, अंजुल कुमार राजपूत, मयूर कुमार सैनी, विकास अग्रवाल, विशांत शर्मा, मोहित कुमार, सुप्रीत कुमार आदि स्कूल स्टाफ का योगदान रहा।

ओमार इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस से हटाया गया अतिक्रमण

बिजनौर (सब का सपना):- जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने स्योहारा क्षेत्र में अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटवा दिया। मामला ग्राम याकूबपुर, परगना स्योहारा, तहसील धामपुर स्थित एम/एस ओमार इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस से संबंधित है, जहां सरकारी नाली और सार्वजनिक रास्ते की भूमि पर अवैध निर्माण किए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलने के बाद राजस्व विभाग की टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर संबंधित संस्था के प्रतिनिधि की मौजूदगी में विधिवत पैमाइश कराई। पैमाइश के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। इसके उपरांत नियमानुसार अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किया गया, लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर भी संबंधित पक्ष द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। नोटिस की अवहेलना को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को राजस्व विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। जेसीबी मशीन की सहायता से सरकारी नाली और रास्ते पर किए गए अवैध निर्माण को हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक संपत्ति पर किसी भी प्रकार का कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

15 मार्च को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का नूरपुर में होगा भव्य प्रदेशीय सम्मेलन

चार फरवरी को नूरपुर में आयोजित बैठक में बनाई जाएगी रूपरेखा

बिजनौर (सब का सपना):- ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन इकाई जनपद बिजनौर के तत्वाधान में 15 मार्च को नूरपुर में एसोसिएशन का प्रदेश स्तरीय भव्य सम्मेलन आयोजित होगा। जिसकी पूर्ण रूपेण सफलता के लिए 4 फरवरी बुधवार को नूरपुर में संगठन की होने वाली जिला स्तरीय बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद रूपरेखा बनाई जाएगी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश पंजीकृत इकाई जनपद बिजनौर के तत्वाधान एवं स्थानीय नूरपुर टीम के सहयोग से संगठन का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 15 मार्च को चांदपुर मार्ग स्थित एसके ट्रेडर्स कलेक्शन मैरिज हाल नूरपुर में आयोजित होगा। संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ भानु प्रकाश वर्मा ने बताया कि प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मेलन की सफलता के लिए 4 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे एसके ट्रेडर्स मैरिज कलेक्शन में जिला स्तरीय कार्य समिति, सभी तहसीलों के अध्यक्षों एवं स्थानीय नूरपुर टीम की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद रूपरेखा बनाई जाएगी। उन्होंने संगठन के संबंधित पदाधिकारी/ सदस्यों से उक्त अति महत्वपूर्ण बैठक में समय से पहुंचने का आग्रह किया है।

असमोली में संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ, जनभागीदारी पर दिया गया जोर

असमोली/सम्भल (सब का सपना):- विकासखंड असमोली परिसर में सोमवार को तीन माह तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी संपूर्णता अभियान 2.0 (28 जनवरी से 14 अप्रैल) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानपरिषद सदस्य डॉ. हरि सिंह ढिल्लों तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू व ब्लॉक प्रमुख संतोष देवी रहीं। मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित विभागीय स्टालों का अवलोकन किया गया तथा उपस्थित लोगों को संपूर्णता अभियान 2.0 की शपथ दिलाई गई। आईसीडीएस के अंतर्गत गोद भराई व अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। अधिकारियों ने अभियान के अंतर्गत पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं जनभागीदारी से जुड़े छह प्रमुख संकेतांकों की जानकारी दी। वक्ताओं ने कुपोषण दूर करने, गर्भवती माताओं व बच्चों की देखभाल तथा विकासखंड असमोली को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विकास अधिकारी राम आशीष सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

धनौरा एसडीएम ने की निर्वाचन कार्यों की समीक्षा, मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाने पर दिया जोर

कर्मचारियों को लापरवाही के लिए चेतावनी,समय सीमा में लक्ष्य पूरा करने के दिए निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के तहसील सभागार में एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने सोमवार को बूथ लेवल अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक ली। यह बैठक एसआईआर कार्यों की समीक्षा और मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर आयोजित की गई। बैठक के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया को त्रुटिहीन बनाने और सत प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि मतदाता सूची किसी भी लोकतंत्र का आधार होती है ,उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि वह घर-घर जाकर डेटा का सत्यापन करें ,विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं के नाम जोड़ने मृत मतदाताओं के नाम हटाने और शिफ्ट हो चुके मतदाताओं के रिकॉर्ड को अपडेट करने के कार्य में कोई कोताही ना बढ़ती जाए ,उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के प्रति सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम ने सभी कार्य को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर गौरव शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे उन्होंने तकनीकी बारीकियों और फॉर्म भरने के दौरान होने वाली सामान्य गतिविधियों के बारे में बीएलओ का मार्गदर्शन किया। बैठक में बीएलओ व सुपरवाइजरों ने भी हिस्सा लिया जिन्हें अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ के कार्य की नियमित निगरानी करने और साप्ताहिक रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए गए ।बैठक के अंत में एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने सुपरवाइजर को फील्ड में आ रही समस्याओं को तुरंत सुलझाने के निर्देश दिए ताकि कार्य की गति प्रभावित न हो सके और मतदाता सूची शुद्धिकरण का कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया जा सके।

अंबेडकर छात्रावासों में अव्यवस्थाएं, डीएम ने दिए सुधार के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सोमवार को नजीबाबाद तहसील क्षेत्र के अंतर्गत संचालित अंबेडकर छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रावासों में सफाई, फर्नीचर और सुरक्षा व्यवस्था में कमियां मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और संचालकों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सबसे पहले ग्राम तिमरपुर स्थित अंबेडकर छात्रावास का निरीक्षण किया। यहां सफाई व्यवस्था संतोषजनक न मिलने पर उन्होंने तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित कराने और नियमित स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने ग्राम रशीदपुर गढ़ी के पास स्थित अंबेडकर छात्रावास का भी निरीक्षण किया, जहां स्थिति लगभग समान पाई गई।

जिलाधिकारी ने छात्रावास संचालक को स्पष्ट निर्देश दिए कि साफ-सफाई में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान दोनों छात्रावासों में फर्नीचर की स्थिति भी मानक के अनुरूप नहीं पाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि छात्रावासों में रहने वाले छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित मानकों के अनुसार फर्नीचर की व्यवस्था की जाए, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने निर्देश दिए कि दोनों छात्रावासों में पीआरडी जवानों की तैनाती की जाए, जिससे छात्रावास परिसर में किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। निरीक्षण के दौरान प्रवासी छात्रों ने विद्युत आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत की। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि छात्रावासों में बिजली की कोई समस्या न रहे और गर्मी के मौसम को देखते हुए आवश्यकतानुसार इनवर्टर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

नगीना में डंपर-बाइक भिड़ंत, युवक की मौत; बहन गंभीर घायल

बिजनौर (सब का सपना):- नगीना क्षेत्र में सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठी उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों को 112 पुलिस सहायता टीम और एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। घायल युवती की हालत चिंताजनक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।हादसा शेरकोट थाना क्षेत्र के रायपुर बुंदकी तिराहा नर्सरी के पास हुआ। ग्राम नागपुर निवासी रंजीत सिंह का 18 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार अपनी 17 वर्षीय बहन सोनू के साथ बाइक से हरिद्वार जा रहा था। दोनों भाई-बहन हरिद्वार स्थित बेचल फैक्ट्री में कार्यरत थे और छुट्टी पर घर आए हुए थे। सोमवार को वे दोबारा ड्यूटी के लिए रवाना हुए थे।बताया गया कि जैसे ही उनकी बाइक रायपुर बुंदकी तिराहा नर्सरी के निकट पहुंची, सामने से आ रहे एक डंपर से बाइक की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में रोहित और सोनू दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस सेवा ने दोनों को सीएचसी पहुंचाया, जहां रोहित को मृत घोषित कर दिया गया। सोनू के सिर में गंभीर चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। सीएचसी पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश, धरोहरों के आसपास अवैध निर्माण का सर्वे करे एमसीडी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में अधिसूचित धरोहरों के आसपास अवैध निर्माण होने का पता लगाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम को सर्वे कराने का आदेश दिया है। धरोहरों के पास होने वाले अनधिकृत निर्माण से जुड़ी विभिन्न याचिकाओं पर मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एमसीडी को निर्देश दिया कि सर्वे में यह ठीक से पता लगाया जाएगा कि धरोहरों के आसपास की इमारतों में किए गए निर्माण नियमों और बिल्डिंग प्लान के अनुसार हैं या नहीं।

दिल्ली एचसी ने महिपालपुर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने की याचिका ठुकराई, बताया सरकार-डीएमआरसी का नीतिगत निर्णय

नई दिल्ली। सरकार या दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) को मेट्रो स्टेशनों का नाम बदलने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने ठुकरा दिया। अदालत ने कहा कि मेट्रो स्टेशन का नाम रखना सरकार के प्रशासनिक और पॉलिसी के दायरे में आता है और इसमें अदालत तब तक दखल नहीं दे सकती जब तक कि यह मनमाना न हो या संविधान का उल्लंघन न करता हो। रंगपुरी गांव की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने याचिका दायर कर महिपालपुर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर रंगपुरी मेट्रो स्टेशन करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। अदालत ने उक्त टिप्पणी के साथ याचिका खारिज कर दी।

दिल्ली का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस, मौसम को लेकर आईएमडी का बड़ा अपडेट

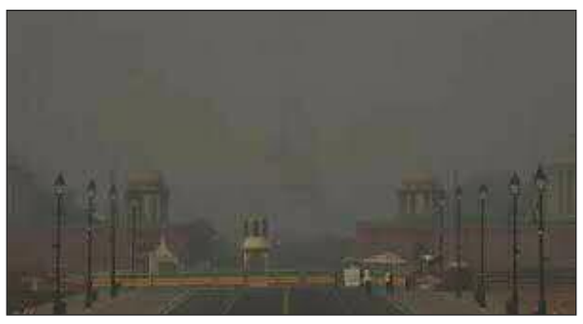

नई दिल्ली। जाती सर्दी में सोमवार सुबह भी दिल्ली वालों का हाल बेहाल रहा। हालांकि, न्यूनतम तापमान में 10 डिग्री से ऊपर ही चल रहा है, लेकिन बीच-बीच में कोहरा भी परेशान करने लगता है। सोमवार सुबह भी कहीं मध्यम तो कहीं घना कोहरा देखने को मिला। इससे दृश्यता का स्तर भी प्रभावित हुआ। सुबह साढ़े आठ बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर दृश्यता महज 100 मीटर रह गई। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, अधिकतम तापमान 21 से 22 डिग्री के आसपास बना रह सकता है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि दिन में बादल छाए रहेंगे। बीच बीच में धूप भी खिली रहेगी। दूसरी तरफ दिल्ली की वायु गुणवत्ता सुधर गई है। आज सुबह नौ बजे सीपीसीबी ने 188 एक्यूआई दर्ज किया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। संभावना है कि अभी अगले कई दिन दिल्ली का एक्यूआई 'मध्यम' से 'खराब' श्रेणी में ही बरकरार रहेगा।

कोहरे ने रोकी दिल्ली आने वाली 25 ट्रेनों की रफ्तार, पांच घंटे की देरी से रवाना होगी दरभंगा हमसफर

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से रेल यात्रियों की परेशानी अधिक बढ़ गई है। कोहरे के कारण देरी से चलने वाली ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है। सोमवार सुबह दिल्ली आने वाली लगभग 25 ट्रेनें दो घंटे से अधिक विलंब से चल रही हैं। देरी से आने के कारण नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर पांच घंटे के विलंब से रवाना होगी। लंबी दूरी के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी एक घंटे तक विलंब से चल रही हैं, जिससे अपने कार्य स्थल पर पहुंचने में दैनिक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सहारनपुर-पुरानी दिल्ली पैसेंजर लगभग दो घंटे, पानीपत-गाजियाबाद एमईएमयू व जाखल-पुरानी दिल्ली पैसेंजर डेढ़ घंटे, बुलंदशहर-तिलक ब्रिज एमईएमयू, जींद-नई दिल्ली एमईएमयू, पानीपत-नई दिल्ली महिला विशेष ईएमयू, पानीपत-पुरानी दिल्ली ईएमयू, सहारनपुर-पुरानी दिल्ली एमईएमयू, हाथरस किला-पुरानी दिल्ली एमईएमयू सवा घंटे, कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन एमईएमयू, दनकौर-शकूरबस्ती ईएमयू, मथुरा-नई दिल्ली एएमयू, कुरुक्षेत्र-पुरानी दिल्ली ईएमयू एक घंटे और मथुरा-गाजियाबाद ईएमयू 45 मिनट के विलंब से चल रही हैं।

दूध, आम, खुबानी के जरिए बयां कर रहे जलवायु परिवर्तन की कहानी, 'सस्टेना इंडिया' कला प्रदर्शनी का तीसरा संस्करण शुरू

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान और अनियमित वर्षा से दिल्ली और एनसीआर ही नहीं, देश भर के खाद्य तंत्र में प्रभावकारी बदलाव आ रहे हैं। काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) का एक हालिया शोध बताता है कि गर्मी और विभिन्न फसलों के बीच अब पहले जैसा तालमेल नहीं रह गया है। अनियमित वर्षा से फसलों या फलों के पकने में बाधा आती है। सर्दियां हल्की या समय से पहले आ जाती हैं। लंबे समय से चल रहा परंपरागत कृषि का ज्ञान भी अब डगमगाया हुआ है। इसी पृष्ठभूमि के साथ रविवार से बीकानेर हाउस में सीईईडब्ल्यू की सस्टेना इंडिया प्रदर्शनी का तीसरा संस्करण शुरू हुआ है। 15 फरवरी तक चलने वाली यह प्रदर्शनी सीईईडब्ल्यू और कलाकारों ठुकराल एवं टागरा का एक साझा प्रयास है। इस बार की

प्रदर्शनी का शीर्षक बिटर नेक्टर है, जिसमें बयां किया गया है कि भोजन, स्वाद, श्रम और मौसमी प्रचुरता जैसी रोजमर्रा की चीजों को देखने के हमारे तरीके में भी बदलाव आ रहा है। प्रदर्शनी में सस्टेना इंडिया फेलो वेदांत पाटिल, अनुजा दासगुप्ता और मृगेन राठौड़ के कार्यों का प्रदर्शन तो किया ही गया है। आमंत्रित कलाकारों अभिनंद किशोर, लक्षिता मुंजाल, सिद्धांत कुमार, स्मिता मिंडा, हरमीत सिंह रतन, पूजा कलाइ और अंकुर यादव की कलाकृतियां भी शामिल की गई हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर निवासी वेदांत पाटिल एक फिल्म निमार्ता और पीएचडी के छात्र हैं। वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में दूध के नाजुक सफर पर निगाह रखते हैं। उनका काम दूध के पीछे के अदृश्य श्रम, बुनियादी ढांचे और पारिस्थितिकीय दबावों को सामने लाता है, जो दैनिक खपत के लिए इसकी आपूर्ति बनाए रखता है। लद्दाख की रहने वाली अनुजा दासगुप्ता कलाकार और कृषि उद्यमी हैं। वे अधिक ऊंचाई पर रहने वाले समुदायों की एक-दूसरे पर निर्भरता, उनके मौसमी ज्ञान और जलवायु के प्रति सुभेद्यताओं की पड़ताल करती हैं। वे इसके लिए खुबानी का इस्तेमाल करती हैं, जो इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुजरात के रहने वाले मृगेन राठौड़ एक दृश्य कलाकार और शिक्षक हैं। वे गिर क्षेत्र के साथ बेहद गहराई से जुड़ी मूर्तिकला के जरिए आम के मोनोकल्चर, वन-पारिस्थितिकी तंत्रों और मानव के साथ ही पशुओं के विस्थापन की पड़ताल करते हैं। सीईईडब्ल्यू के डायरेक्टर ऑफ स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशंस मिहिर शाह ने बताया कि खाद्य प्रणालियां और मौसम के साथ उसके तालमेल में आने वाली बाधाएं सीधे तौर पर समुदायों-आजीविकाओं को प्रभावित करती हैं। प्रभावी जलवायु कार्रवाइयों को इन वास्तविकताओं और इनमें छिपे ज्ञान को निश्चित तौर पर शामिल करना चाहिए, क्योंकि हमें और अधिक जलवायु समाधानों की

गाजियाबाद में तेज रफ्तार कार ने मासूम बच्चे को मारी टक्कर, मौत से परिवार में मचा कोहराम

साहिबाबाद (गाजियाबाद)। गाजियाबाद के साहिबाबाद में लिंक रोड थाना क्षेत्र में 31 जनवरी की सुबह कार की टक्कर लगने से पांच साल के मासूम की जान चली गई। बच्चे के पिता ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज मुकदमे में गोपाल न बताया कि वह मूलरूप से आशाबाद फाटक फिरोजाबाद के रहने वाले हैं। यहां वसुंधरा फ्लाईओवर के नीचे परिवार के साथ रहते हैं। 31 जनवरी की सुबह करीब 10 बजे उनका बेटा चांद (5) वसुंधरा चौराहे पर साहिबाबाद गांव की ओर सड़क पर खड़ा था। इस दौरान आई तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। उसकी कार का नंबर लोगों ने नोट कर लिया। गंभीर हालत में वह बच्चे को लेकर नरेंद्र मोहन अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। रास्ते में लगे सीसीटीवी की फुटेज निकलवा रहे हैं।

स्कूटी व बाइक की आमने-सामने टक्कर, पांच घायल

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र अंतर्गत जैतपुर की मढैया के समीप स्कूटी और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए, वहीं हेलमेट भी टूट गए। जानकारी के अनुसार स्कूटी पर सवार अलीशा (17) पुत्री शमीम, कसम (28) पुत्र कासिम तथा रेहान (24) पुत्र राशिद, निवासी कस्बा व थाना गुन्नौर, बहजोई से बबराला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बबराला से बहजोई आ रही मोटरसाइकिल, जिस पर दीपक (28) पुत्र पप्पू और पंकज (32) पुत्र सुरेश, निवासी ग्राम गाजीपुर थाना बरला जनपद अलीगढ़ सवार थे, से जैतपुर की मढैया के पास उनकी टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी व बाइक सवार सभी पांचों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी बहजोई भिजवाया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।समाचार लिखे जाने तक घायलों की स्थिति के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी थी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 50 हजार से ज्यादा फ्लैटों की रजिस्ट्री अटकी, बिल्डर कर रहे मनमानी

ग्रेटर नोएडा। शहर शिक्षा व औद्योगिक हब के साथ आवासीय क्षेत्र में भी नोएडा ग्रेटर नोएडा तेजी के साथ विकसित हुआ है। अकेले ग्रेनो वेस्ट में ही 197 से अधिक बिल्डर की परियोजनाएं निमार्णाधीन है। 88 सोसायटियों में कब्जा मिलने के बाद लोगों ने रहना शुरू कर दिया है। साढ़े चार लाख से अधिक की आबादी सोसायटियों में निवास कर रही है। सालों तक बचत कर अपनी जीवन भर की कमाई बिल्डर के हाथों में सौंपने के बाद लोगों को घर की दहलीज में प्रवेश तो मिला, लेकिन फ्लैटों की रजिस्ट्री को लेकर जारी गतिरोध अभी भी बना हुआ है। शायद ही ऐसी कोई सोसायटी हो जहां फ्लैट रजिस्ट्री, मूलभूत सुविधा की मांग को लेकर निवासी आंदोलनरत न हो। मालिकाना हक पाने की मांग को लेकर अपनी चप्पल घिसने के बाद निवासी अब न्यायपालिकाओं का रूख करने को मजबूर है। बिल्डरों से वार्ता बेनतीजा फ्लैट खरीदारों की मुश्किलों को कम करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में दो साल पहले खूब बैठकों का दौर चला। प्राधिकरण अधिकारियों ने बिल्डर प्रतिनिधियों के साथ लगातार वार्ता भी कराई, लेकिन नतीजा सीफर ही रहा। लोगों का आरोप है कि बैठकों में आश्वासन तो मिला, लेकिन समस्या का स्थाायी समाधान नहीं हो सका। रेरा के आदेशों को भी दरकिनार कर रहे बिल्डर बिल्डर लगातार रेरा के आदेशों को भी दरकिनार कर रहे हैं। अंदाजा यहीं से लगाया जा सकता है कि 60 हजार से अधिक वाद रेरा में दायर हो चुके हैं। रेरा अधिकारियों के मुताबिक इन वादों में 20 प्रतिशत से ज्यादा वाद फ्लैट रजिस्ट्री से जुड़े हुए हैं। जबकि 60 प्रतिशत वाद पजेशन न मिलने व 20 फीसद से अधिक मूलभूत सुविधाओं को लेकर दायर हुए हैं। ग्रेनो वेस्ट में बिल्डर की कुल परियोजना -197 बनकर तैयार हो चुकी बिल्डर परियोजना -88 बिल्डर परियोजनाओं में अटकी पड़ी फ्लैट रजिस्ट्री की संख्या - 50 हजार से ज्यादा

ग्रेटर नोएडा में जर्जर हुए 25 साल पहले नालों पर डाले गए स्लैब, इंजीनियर युवराज की मौत के बाद उठी बदलने की मांग

ग्रेटर नोएडा। नोएडा के सेक्टर-150 में बेसमेंट के लिए खोदे गए प्लॉट में भरे पानी में कार समेत सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के बाद शहर में ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए। जिन्हें दुरुस्त करने के प्राधिकरण व प्रशासनिक स्तर से दुरुस्त करने के दावे भी किए जा रहे हैं। शहरवासियों ने खुले नालों पर स्लैब डालने की मांग प्राधिकरण अधिकारियों से की है। लोगों का आरोप है कि शहर में मुख्य सड़कों के किनारे नाले खुले पड़े हैं। जिसमें गिरकर कई बड़े एवं दर्दनाक हादसे भी शहर में घटित हो चुके हैं। उसके बावजूद भी प्राधिकरण के अधिकारी उदासीन बने हैं। सेक्टरों के समीप मुख्य सड़कों के किनारे नालों पर करीब 25 साल पहले स्लैब डाली गई थी, जो जर्जर हो चुकी हैं। उन्हें तत्काल दुरुस्त किए जाने की जरूरत है। तीन साल पहले चाई-4 में नाले की सफाई के दौरान स्लैब गिरने से दो कामगारों की मौत हो गई थी। उस दौरान लोगों के नाले के निर्माण के साथ स्लैब तैयार करने में ठेकेदारों पर खराब गुणवत्ता की सामग्री का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। आरोप लगाया कि तत्कालीन अधिकारियों ने नालों का निरीक्षण कर नए सिरे से नालों पर स्लैब डालने के निर्देश दिए थे, लेकिन कुछ दिनों बाद ही आदेश फाइलों में दफन हो गई। एक्टिव सिटीजन टीम सदस्यों ने लिखा पत्र नालों पर स्लैब डालने की मांग एक्टिव सिटीजन टीम सदस्यों ने की है। इस संबंध में टीम सदस्यों ने प्राधिकरण सीईओ, जिलाधिकारी, सांसद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के नाम दुर्घटनाओं के बचाव हेतू पत्र लिखा है। एक्टिव सिटीजन टीम सदस्य हरेंद्र भाटी ने बताया कि शहर में खुले नालों की वजह से आएदिन जानमाल की हानि हो रही है। गोवंशी रोजाना नाले में गिर रहे हैं। ग्रेटर नोएडा के पुराने सेक्टरों में नालों पर स्लैब करीब 20 से 25 साल पहले डाली गई थी,

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने केंद्रीय बजट को सराहा, बताया- दूरदर्शी और हर वर्ग के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्र सरकार के बजट की सराहना की है। उन्होंने केंद्रीय बजट के पेश होने के 1 दिन बाद सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में प्रेसवार्ता कर बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया। सीएम ने कहा कि बजट प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त व दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतिबिंब और विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला है। उन्होंने कहा, "बजट हर वर्ग को भरोसा देता है हर वर्ग को सहारा देता है। देश की आर्थिक स्थिति को तैयार करना आवश्यक लगातार बनाए रखना, लोगों की आकांक्षाएं पूरी करना और सबका साथ सबका विकास इस बजट में दिखता है। हम केंद्र के साथ मिलकर दिल्ली की योजनाओं को पूरा करने का काम कर रहे हैं केंद्र से बजट लेकर भी आ रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने आगे कहा, "इस बजट को हम पूरी तरह दिल्ली के हित में मानते हैं। बजट में महिलाओं और लड़कियों के लिए ध्यान दिया गया है हर जिले में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाने की बात की गई है यह सराहनीय कदम है। इस बजट को नेक्स्ट जेनरेशन बजट कहें तो कोई गलत नहीं है।

इसमें युवाओं को लेकर भी फोकस किया गया है।"दिल्ली को मिला 1348 करोड़ बजट सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, "बजट में दिल्ली को लेकर 1348 करोड़ बजट एलोकेशन मिला है, दिल्ली पुडुचेरी और जम्मू कश्मीर के लिए 15000 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है पहले यह 6000 करोड़ होता था इसमें भी हम कोशिश करेंगे ज्यादा से ज्यादा दिल्ली को मिले। मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने दिल्ली पुलिस का बजट बढ़ाया है।" सीएम की प्रेसवार्ता की प्रमुख बातें केंद्रीय स्कीम में दिल्ली को पहले कम बजट मिलता था इस साल 13000 करोड़ किया गया है इससे भी दिल्ली को लाभ मिलेगा। सेंट्रल सेक्टर स्कीम के तहत भी हमें लाभ मिलेगा इसके तहत दिल्ली में 49 स्कीम केंद्र सरकार की लागू है, उसमें भी 232 करोड़ का फंड तीन राज्यों को दिया गया है, उसमें भी दिल्ली का पूरा शेयर रहेगा। दिल्ली में चल रहे हैं एम्स सहित केंद्रीय अस्पतालों का बजट बढ़ाया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में इस बजट में दिल्ली को काफी लाभ मिलेगा। इस बात पर्यावरण से संबंधित बजट भी बढ़ाया गया है, इससे दिल्ली एनसीआर के पर्यावरण से संबंधित काम भी हो सकेंगे। खेल में भी बजट बढ़ाया गया है, इससे भी युवाओं को लाभ मिलेगा। ग्रीन एनर्जी को बजट में बढ़ावा दिया गया है। बैटरी बनाने वाली मशीनों पर छूट का दायरा बढ़ाया गया है। कुछ चीजों में छूट दी गई है, इससे भी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलेगा। पूर्व में बजट को लेकर दिल्ली में अनुभव ठीक नहीं रहे, केंद्र जो बजट देता था उसको भी दिल्ली सरकार खर्च नहीं करती थी और ना ही केंद्र सरकार से पैसा लेने की इच्छा रखती थी। छोटे व्यापारियों के लिए 10000 करोड़ का बजट रखा गया है

मनरेगा बंद होने से मजदूर परेशान, मुआवजे के लिए भटक रहे किसान; राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भिवानी दौरे पर भाजपा सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि किसान मुआवजे के लिए भटक रहे हैं और मनरेगा बंद होने से मजदूर प्रभावित हैं। राव नरेंद्र सिंह ने बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार पर चिंता जताई

भिवानी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भिवानी दौरे पर भाजपा सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि किसान जलभराव मुआवजे के लिए भटक रहे हैं और मनरेगा बंद होने से मजदूर प्रभावित हैं। प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने हरियाणा को बेरोजगारी और अपराध में नंबर वन बना दिया है। कांग्रेस जनता की आवाज उठाएगी और कार्यकताओं से सरकार की विफलताओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान पिछले सात महीनों से जलभराव के मुआवजे के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, लेकिन सरकार के पास उनकी सुध लेने का समय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा योजना को प्रभावी ढंग से बंद करके सरकार ने गरीब मजदूरों के पेट पर लात मारने का काम किया है। प्रदेशाध्यक्ष ने भिवानी का दौरा किया, जहां उन्होंने विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत की। राव नरेंद्र सिंह का भिवानी आगमन पर बामला टोल प्लाजा पर कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप जोगी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने स्वागत किया। राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार की नीतियों की कड़े शब्दों में आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का हर वर्ग सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहा है। प्रदेश अध्यक्ष राव ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बढ़ते अपराध के कारण व्यापारी वर्ग भय के साये में जी रहा है। वहीं, रोजगार के अवसर खत्म होने से प्रदेश के युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। उन्होंने महंगाई, भ्रष्टाचार और बढ़ती जनसमस्याओं को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा ने केवल प्रचार किया है, धरातल पर जनता को केवल परेशानियां मिली हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने हरियाणा को बेरोजगारी और अपराध में नंबर वन बना दिया है। किसान मुआवजे के लिए भटक रहा है और युवा पलायन को मजबूर है। कांग्रेस अब चुप नहीं बैठेगी और जनता की आवाज को मजबूती से उठाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की विफलताओं को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यकर्ता तेजी और मजबूती के साथ फील्ड में उतरें और जनता के बीच अपनी पैठ बढ़ाएं। इस अवसर पर सत्यजीत पिलानिया, अमन तंवर राघव, संजय गांधी, समीर खटीक एससी जिला प्रधान, शिवकुमार चांगिया, डॉ. जयवीर गोयत, रूपेंद्र ग्रेवाल, रमेश ढिगाव, अनिल वाल्मीकि, उमेश, भारद्वाज, सुमित उर्फ सीट, दिनेश शास्त्री, रवि सोलंकी, बलबीर सरोहा, बलवंत घणघस, तोला राम शर्मा, डा. फूल सिंह धनाना, शिव कुमार धानक, सुमित बराड़, देबू हालुवास, अमित पंघाल, मुकेश पहलवान, रोबिन चौहान, तरूण, सुंदर हुड्डा, पवन गुजरान, प्रवीण एडवोकेट और सूरज धानक आदि मौजूद रहे।

हरियाणा में मां को लगा हुक्का पीने कमरे में गया होगा बेटा, लेकिन युवक ने उठाया ऐसा कदम; फटाफट बुलानी पड़ी पुलिस

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले के नहर कॉलोनी में रहने वाले और सिंचाई विभाग में क्लर्क के पद पर कार्यरत 38 साल के विक्रांत ने घर में पंखे पर परने से फंदा लगा आत्महत्या कर ली। जिस समय उसने आत्महत्या की उस समय उसकी मां घर के बाहर बैठी थी। पत्नी बच्चों के साथ मायके बरवाला गई थी। पता चलने पर स्वजनों ने सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने स्वजन के बयान पर इत्तफाकिया कार्रवाई की है। मृतक को आते थे मिर्गी के दौरे जाखोद खेड़ा के रहने वाले विनोद ने बताया कि उसका भाई विक्रांत सिंचाई विभाग में क्लर्क के पद पर कार्यरत था। वह परिवार के साथ नहर कॉलोनी में रहता था। पुलिस को दिए गए बयान में उन्होंने बताया कि विक्रांत को मिर्गी के दौरे आते थे। उसकी एक निजी अस्पताल से दवाइयां भी चल रही थी। दो दिन पहले उसकी पत्नी बेटा और बेटी को साथ लेकर मायके बरवाला गई थी। घर पर भाई और मां दोनों थे। शनिवार शाम को मां घर के बाहर बैठी थी। विक्रांत अंदर वाले कमरे में था। मां ने सोचा कि रोजाना की तरफ विक्रांत पड़ोस में हुक्का पीने के लिए गया है इसलिए उसने कमरे के अंदर जाकर नहीं देखा। आधे घंटे तक भाई दिखाई नहीं दिया तो मां ने उसके फोन पर कॉल की तो फोन की घंटी भाई के कमरे में बजी। घंटी सुनने के बाद मां कमरे के अंदर गई तो हैरान थी। विक्रांत ने कमरे के अंदर पंखे पर परने से फंदा लगाकर आत्महत्या की हुई थी। यह देखकर मां पड़ोस में गई और पड़ोसियों को बुलाकर लेकर आई। उसके बाद सिविल लाइन थाना पुलिस को मामले से अवगत करवाया।

पश्चिमी यमुना लिंक नहर में गिरा सात साल का बच्चा, सर्च ऑपरेशन जारी; खेलने के दौरान हुआ हादसा

गांव महलाना के पास सात वर्षीय मासूम सौमित खेलते-खेलते पश्चिमी यमुना लिंक नहर में गिर गया। घटना के बाद से बच्चे का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। मासूम की तलाश के लिए स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरएफ) की विशेष टीम मोटर बोट के साथ नहर में सर्च ऑपरेशन चला रही है। गांव महलाना निवासी सोनू का सात वर्षीय बेटा सौमित रविवार शाम को अपनी बहन के साथ खेतों की ओर जा रहा था। रास्ते में खेलते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और पैर फिसलने से वह पश्चिमी यमुना लिंक नहर में जा गिरा। बहन के सामने हुए इस हादसे ने सभी को स्तब्ध कर दिया। जब घटना की सूचना गांव में पहुंची तो ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू की। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस और प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू करवाया गया। प्रारंभिक स्तर पर चलाए गए तलाशी अभियान से बच्चे का सुराग नहीं लगा तो एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ की टीम मोटर बोट के माध्यम से नहर के संभावित सभी हिस्सों में गहन तलाश कर रही है, जबकि स्थानीय पुलिस व ग्रामीण भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगातार सहयोग कर रहे हैं। घटना के बाद से परिजन सदमे में हैं। प्रशासन का कहना है कि सौमित का पता लगाने की कोशिश जारी है।

पेंशन कटौती और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सड़कों पर उतरेगी इनेलो, सैनी सरकार को अभय चौटाला की चेतावनी

चंडीगढ़। भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बाद अब इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने भी तीन नगर निगमों समेत विभिन्न शहरी निकायों के चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ने की घोषणा की है। इन चुनाव की रणनीति मंगलवार को हिसार में होने वाली इनेलो की राज्य स्तरीय बैठक में तैयार की जाएगी। बैठक में बुजुर्गों की काटी जा रही पेंशन और समय पर इसका आवंटन नहीं होने के मुद्दे पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो इनेलो की ओर से पूरे राज्य में आंदोलन चलाया जाएगा। चंडीगढ़ में मीडिया से बात करते हुए इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने कहा कि पूरे प्रदेश में बुजुर्ग लोगों की पेंशन काटी जा रही है। सरकार ने एक नवंबर से दो सौ रुपये पेंशन बढ़ाने की घोषणा की थी, लेकिन तीन माह हो गए, लेकिन अभी तक बढ़ी हुई पेंशन लोगों को नहीं मिली है। लाखों लोग तीन हजार रुपये मासिक पेंशन का भी इंतजार कर रहे हैं। उन्हें नियमित रूप से यह पेंशन प्राप्त नहीं हो रही है। लाखों लोग ऐसे हैं, जिनकी अलग-अलग कारण बताकर पेंशन काट दी गई। पेंशन काटने की प्रक्रिया हर रोज जारी है। अभय चौटाला ने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले लोगों के वोट हासिल करने के लिए धड़ाधड़ पेंशन बनवाई, बीपीएल कार्ड तैयार करवाए, लेकिन अब चुनाव में जीत हासिल करने के बाद यही लोग भाजपा को पराए लगने लगे हैं, जिनकी पेंशन व बीपीएल कार्ड काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिसार में होने वाली राज्य कार्यकारिणी की बैठक में इस मुद्दे पर सरकार के विरुद्ध आंदोलन चलाने के प्रारूप पर चर्चा होगी। इनेलो प्रमुख ने केंद्र सरकार के बजट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बजट में शिक्षा व खेल पर कोई ध्यान नहीं किया गया। 53 लाख पांच करोड़ रुपये का कुल बजट पेश हुआ है और इसका 24 फीसदी कर्ज लेना है, जबकि 14.04 प्रतिशत ब्याज चुकाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना में 2025-26 में 57 हजार 832 करोड़ रुपये खर्च करना था जबकि 32 हजार 500 करोड़ रुपये ही खर्च हुआ। इनेलो प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना से 2025-26 में 3500 करोड़ रुपये का बजट था लेकिन मात्र 300 करोड़ रुपये ही खर्च हो पाए। प्रधानमंत्री सडक योजना पर 19 हजार करोड़ रुपए के विपरीत 11 हजार करोड़ रुपए ही खर्च किए गए। उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। चौटाला ने कहा कि पंजाब में चुनाव तक अब एसवाईएल का कोई मसला हल नहीं होने वाला है।

इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स हो जाएं सावधान, ब्रांड कोलैबोरेशन के नाम पर फतेहाबाद में सक्रिय हुआ बड़ा 'साइबर ठगी' गैंग

फतेहाबाद। इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी से बढ़ रहे फेक बिजनेस पेज और ब्रांड प्रमोशन स्कैम को लेकर फतेहाबाद पुलिस ने नागरिकों को सतर्क किया है। साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि आनलाइन ठग फर्जी ब्रांड और नकली कंपनियों के नाम पर खासतौर पर युवाओं, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों और छोटे कारोबारियों को निशाना बना रहे हैं। हाल के दिनों में जिले में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें लोगों को पेड प्रमोशन, ब्रांड कोलैबोरेशन और सप्लायर पार्टनरशिप के नाम पर झांसे में लेकर आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया है। इंटरनेट मीडिया पर दिखने वाला हर आकर्षक आफर असली नहीं होता, इसलिए किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार करने से पहले उसकी पूरी जांच जरूरी है। पुलिस के अनुसार साइबर ठग इंस्टाग्राम और फेसबुक पर किसी नामी ब्रांड से मिलते-जुलते नाम का पेज बनाते हैं। इन पेजों पर ब्रांड का लोगो, प्रोफेशनल डिजाइन वाली पोस्ट और हजारों फालोअर्स दिखाए जाते हैं, जिससे यह अकाउंट पूरी तरह असली प्रतीत होता है। इसके बाद ये ठग यूजर्स को डायरेक्ट मैसेज के जरिए पेड प्रमोशन या ब्रांड कोलैबोरेशन का आफर देते हैं। ऑफर स्वीकार करने पर ठग फर्जी एग्रीमेंट, आफर लेटर या लिंक भेजते हैं। कई मामलों में यूजर से किसी ऐप को डाउनलोड करने या दिए गए लिंक पर क्लिक करने को कहा जाता है। जैसे ही यूजर ऐसा करता है, उसके मोबाइल या बैंकिंग डिटेल्स तक ठगों की पहुंच हो जाती है। कई बार रजिस्ट्रेशन फीस, ब्रांड टैक्स या गिफ्ट चार्ज के नाम पर पैसे मांगे जाते हैं और राशि मिलते ही ठग संपर्क तोड़ देते हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि किसी भी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर मिले प्रमोशन या पार्टनरशिप आफर को बिना सत्यापन के स्वीकार न करें। कोई भी वास्तविक और प्रतिष्ठित कंपनी हमेशा अपनी आधिकारिक ईमेल आईडी या वेबसाइट के माध्यम से ही संपर्क करती है, न कि अनजान इंस्टाग्राम अकाउंट या व्हाट्सएप नंबर से। ठगी होने पर तुरंत पुलिस को शिकायत करें।

बस और बाइक की टक्कर, मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे की हुई मौत; ड्राइवर फरार

शहर के लाली रोड सदर थाना से मात्र दो किलोमीटर की दूरी पर अलीका की तरफ से आ रही बाइक और रतिया रोड की तरफ से जा रही निजी बस की आमने-सामने की टक्कर से बाइक पर सवार गांव खाई निवासी 62 वार्षिक कौशल्या देवी व बाइक चला रहा उनका बेटा 33 वर्षीय रॉबिन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सड़क हादसे के बाद बस चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकजुट हो गए और उन्होंने डायल 112 पर पुलिस को हादसे की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक रॉबिन की जेब में पड़े आधार कार्ड को देखकर उनके परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर मृतक कौशल्या का बेटा हुकम व अन्य परिजन मौके पर पहुंचे परिजनों के पहुंचने के बाद पुलिस टीम मृतकों के शवों को नागरिक अस्पताल में ले जाने की तैयारी कर रही थी। इस दौरान परिजनों ने शवों को ले जाने से रोक दिया और बस ड्राइवर को गिरफ्तार करने की मांग की। जानकारी के मुताबिक मृतक कौशल्या गांव से अपने बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर रतिया आधार कार्ड को सही करवाने आ रही थी तथा बस चालक गांव जमालपुर से कलोठा बारात लेकर जा रहा था कि रास्ते में ही सड़क दुर्घटना हो गई। बस चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया जिसके बाद बस में सवार बाराती भी बस चालक के फरार होने के बाद वहां से पैदल ही कलोठा गांव की तरफ चल दिए।

पीएम मोदी जल्द आएंगे हरियाणा, सीएम नायब सैनी ने की मुलाकात; अंबाला में शहीद स्मारक का कर सकते हैं उद्घाटन

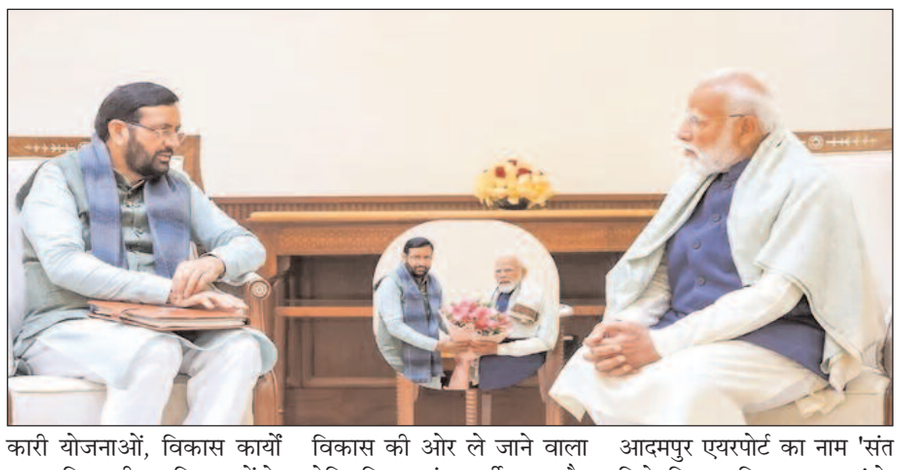

पंचकुला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक के दौरान प्रदेश के विकास कार्यों और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई। माना जा रहा है कि सीएम ने प्रधानमंत्री को अंबाला में बनकर तैयार हुए भव्य 'शहीद स्मारक' के लोकार्पण के लिए आमंत्रित किया। इसके चलते ढट मोदी जल्द ही एक बार फिर हरियाणा की धरा पर आ सकते हैं। इस मुलाकात की जानकारी देते हुए सीएम नायब सिंह सैनी ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर लिखा, "आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश में संचालित जन कल्याण कारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा भविष्य की प्राथमिकताओं के साथ कई समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ह्यविकसित भारत बजटह्ल देश को आत्मनिर्भर, सशक्त और समावेशी विकास की ओर ले जाने वाला ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम है। यह बजट अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने पंजाब स्थित आदमपुर एयरपोर्ट का नाम 'संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज' के नाम पर रखने के ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का विशेष आभार व्यक्त किया। सीएम सैनी ने इसे सामाजिक समरसता की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

पंडित जसराज जयंती कार्यक्रम में पीलीमंदोरी पहुंचे सीएम सैनी, पंचायत ने किया जोरदार स्वागत

गांव पीलीमंदोरी में कार्यक्रम स्थल पर सीएम सैनी पहुंच गए हैं। उनके साथ राज्यसभा सांसद सुभाष बराला और कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा भी हैं। सीएम नायब सैनी का गांव की पंचायत ने सितार भेंट कर स्वागत किया है। समारोह को संबोधित करते हुए पंडित जसराज की बेटी दुर्गा जसराज भावुक हो गईं। बता दें कि सीएम सैनी पंडित जसराज जयंती कार्यक्रम में पहुंचे हैं। घने कोहरे के चलते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का हेलीकॉप्टर गांव पीलीमंदोरी में निर्धारित स्थल पर लैंड नहीं कर सका। मौसम की खराब स्थिति और दृश्यता कम होने के कारण पायलट ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेलीकॉप्टर को वहां उतारने का निर्णय टाल दिया। मुख्यमंत्री गांव पीलीमंदोरी में पंडित जसराज जयंती कार्यक्रम में पहंचे हैं जिसे लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। सुबह से ही कार्यक्रम स्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। मौसम विभाग के अनुसार सुबह के समय जिले में धुंध काफी घनी रही, जिससे दृश्यता कई स्थानों पर बेहद कम दर्ज की गई। इसी वजह से हेलीकॉप्टर लैंडिंग को जोखिम भरा माना गया। मुख्यमंत्री की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वैकल्पिक योजना के तहत उनका हेलीकॉप्टर सिरसा एयरफोर्स स्टेशन पर उतरा है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के सड़क मार्ग से आने को लेकर रूट मैप में आंशिक बदलाव किया गया है। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए पुलिस बल को तैनात किया गया है और आम लोगों से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। वहीं, मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यकताओं और ग्रामीणों में खासा

कैदियों की समयपूर्व रिहाई पर हाईकोर्ट सख्त, पंजाब-हरियाणा को नीति चार्ट बनाने का दिया आदेश

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने जेल सुधारों से जुड़े एक मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को निर्देश दिया है कि वे कैदियों की रिहाई और समयपूर्व रिहाई (रीमिशन/प्रीमेच्योर रिलीज) की पात्रता को लेकर अपनी-अपनी नीतियों का तुलनात्मक चार्ट संयुक्त रूप से तैयार कर अदालत में दाखिल करें। मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने स्पष्ट कहा कि दोनों राज्यों की नीतियों में अंतर है और जब तक यह साफ नहीं होगा कि कौन-सा मापदंड कहां लागू है, तब तक अदालत निगरानी कैसे करेगी? मामला उस समय अदालत के सामने आया जब सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं संज्ञान लेते हुए देशभर में कैदियों की रिहाई और समयपूर्व रिहाई की प्रक्रियाओं पर निगरानी के निर्देश दिए और सभी हाईकोर्ट से कहा कि वे इस प्रक्रिया को मॉनिटर और सुपरवाइज करें। इसी आदेश के तहत यह याचिका हाईकोर्ट में रखी गई, जहां सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने कहा कि अलग-अलग नीतियों के चलते पात्रता को लेकर भ्रम की स्थिति बन रही है। अदालत ने टिप्पणी की कि चंडीगढ़ प्रशासन पंजाब की नीति का पालन करता है, जबकि हरियाणा एक अलग वैधानिक ढांचे के तहत काम कर रहा है, जिससे पात्रता और मूल्यांकन के मापदंडों में फर्क आ रहा है। न्यायालय ने पूछा कि आखिर कैदियों के लिए रीमिशन का 'यार्डस्टिक' कहां और कैसे तय किया गया है, क्योंकि बिना स्पष्ट मापदंड के निष्पक्ष निगरानी संभव नहीं। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने बताया कि वह 14 दिसंबर 2017 की समयपूर्व रिहाई नीति के तहत काम कर रही है, जबकि हरियाणा सरकार ने कहा कि वह हरियाणा जेल नियम, 2022 के अनुसार रिहाई के मामलों पर निर्णय लेती है, जो प्रिजंस एक्ट के प्रविधान के तहत बनाए गए हैं। इन विभिन्न व्यवस्थाओं के कारण पात्रता के मापदंडों में फर्क सामने आया है। खंडपीठ ने आदेश में कहा कि पंजाब और हरियाणा दोनों राज्य मिलकर एक विस्तृत तुलनात्मक चार्ट तैयार करें, जिसमें उनकी-उनकी नीतियों और नियमों के तहत तय पात्रता शर्तों को स्पष्ट रूप से दशार्या जाए और उसके साथ हलफनामा दाखिल किया जाए, ताकि अदालत सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुरूप निगरानी और पर्यवेक्षण कर सके। अदालत ने इस कार्य के लिए तीन सप्ताह का समय देते हुए स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया केवल औपचारिक नहीं, बल्कि जेलों में भीड़ कम करने, विलंब रोकने और कैदियों के साथ समान और न्यायपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही यह स्पष्ट कर चुका है कि सभी हाईकोर्ट अपने-अपने राज्यों में स्वयं संज्ञान लेकर इस व्यवस्था की निगरानी करें, ताकि देशभर में रीमिशन और समयपूर्व रिहाई की प्रक्रिया एकरूप, पारदर्शी और समयबद्ध बन सके।

टी20 विश्वकप मैच के लिए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी भारतीय टीम: बीसीसीआई

पाकिस्तान के मैच से हटने के बाद भी कार्यक्रम में नहीं किया बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम टी20 विश्व कप 2026 के लिए तय समय पर श्रीलंका जाएगी हालांकि पाकिस्तान ने उसके खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। बीसीसीआई के अनुसार पाकिस्तान ने 15 फरवरी को होने वाले विश्वकप मैच में बिना किसी ठोस करणों से खेलने से इंकार किया है पर इसके बाद भी हमारे कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) नियमों के तहत ही सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी करेगी। भारत-पाक के बीच मुकाबला 15 फरवरी 2026 को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होना था पर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह इसमें अपनी टीम नहीं उतारेगा।

पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया में एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि टीम विश्व कप 2026 में भाग लेगी पर ग्रुप स्तर पर भारत के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलेगी। पाक सरकार ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच से हटने का कोई कारण नहीं बताया है। इससे कार्यक्रम पर संशय बना हुआ है। पाक के मैच से बाहर होने के बाद भी भारतीय टीम अपने तय कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं करते हुए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी। टीम अपने नियमित अभ्यास सत्र के बाद प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे और मैच वाले दिन निर्धारित समय पर स्टेडियम में भी पहुंचेगी। वहीं पाक टीम के नहीं पहुंचने के बाद आईसीसी के नियमों के तहत मैच रेफरी फैसला देंगे। इसमें भारतीय टीम को मैच अंक मिलेंगे जबकि पाक के अंक कटेंगे।

आईसीसी ने भी हालांकि अभी ये नहीं बताया है कि अगर कोई टीम विश्व कप मैच खेलने नहीं आती है तो उसके खिलाफ क्या कदम उठाये जाएंगे। पाक को विश्वकप में अपने पहले मुकाबले में 7 फरवरी को पहला मैच नीदरलैंड्स जबकि 10 फरवरी को अमेरिका वह 18 फरवरी को नामीबिया से खेलना है। ये सभी मैच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान में खेले जाने हैं। पीसीबी ने अभी ये नहीं बताया है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है तो तब भी क्या वह भारत के सामने नहीं उतरेगी? भारत-पाक मुकाबले से आईसीसी और प्रसारणकर्ताओं को सबस अधिक राजस्व मिलता है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने से आईसीसी को भी काफी नुकसान

होगा। ऐसे में अब देखना होगा कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करती है।

अभिषेक टी20 विश्कप में सबसे अधिक रन बनाएंगे : पोंटिंग

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह सात फरवरी से शुरु होने जा रहे टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। विश्वकप संयुक्त रु से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कई दिग्गज बल्लेबाजों के होते हुए भी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि अभिषेक रनों के मामले में सबसे आगे रहेंगे इस पूर्व कप्तान ने अभिषेक की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अच्छी लय में है और उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। ऐसे में उसे आईसीसी टूर्नामेंट्स का अनुभव न होने पर भी नुकसान नहीं होगा। वह पहली बार कोई आईसीसी टूर्नामेंट खेलने के कारण निडर होकर उतरेगा। ऐसे में अनुभव की कमी उसके लिए फायदेमंद ही साबित होगी। साथ ही कहा कि उसे इस टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड भी मिल सकता है। पोंटिंग ने आगे कहा, अगर वह रन बनाता है तो भारतीय टीम को हराना बेहद कठिन हो जाएगा। और अगर वह नहीं चलता, तो भी भारतीय टीम को कम नहीं आंक सकते। अभिषेक साल 2018 में भारत की अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल रहे हैं पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 सीनियर टीम के साथ उसका पहला विश्वकप होगा।

पोंटिंग ने कहा, मैं उसका पहला आईपीएल कोच रहा था। उसने 17 साल की उम्र में मेरे साथ दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू किया था। मुझे आज भी याद है, पहली ही गेंद पर उसने से चौका या छक्का मारा था। पोंटिंग ने यह भी खुलासा किया कि वह अभिषेक को दिल्ली से ट्रेड करने के फैसले के खिलाफ थे। मैंने प्रबंधन से कई बार कहा था कि उसे मत जाने दो, यहां एक सुपरस्टार बन रहा है। और आज वही हो रहा है।अभिषेक ने हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 4 मैचों में 152 रन बनाए। सीरीज के तीसरे मुकाबले में अभिषेक ने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। जो भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा सबसे तेज़ अर्धशतक है। इससे पहले केवल युवराज के नाम ही 12 गेंदों में ये रिकार्ड है।ऐसे में भारतीय टीम को विश्वकप में अभिषेक से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। ।भारत को ग्रुप A में पाकिस्तान, अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ करेगा।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

कोलंबो (एजेंसी)। हैरी ब्रूक की आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने यहु दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। बर्षा बाधित इस मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड ने डकवर्थ लुइस नियम के तहत 6 विकेट से जीत हासिल की। वहीं पहले मैच में भी श्रीलंकाई टीम 11 रन से हार गयी थी। दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 5 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाये। वहीं दूसरी पारी में बारिश के कारण इंग्लैंड को 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।जिसे इंग्लैंड टीम ने टॉम बैंटन के अर्धशतक और कप्तान हैरी ब्रूक की आक्रामक पारी से 16.4 ओवर में ही 4 विकेट पर 173 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम ने एक समय 7.2 ओवर में ही 60 रनों के अंदर 2 विकेट खो दिये थे। बारिश के कारण इंग्लैंड को जीत के लिए 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। इसके बाद बैंटन ने 33 गेंदों में 54 रन जबकि जोस बटलर ने 39 रन बनाए। ब्रूक ने केवल 12 गेंदों में 36 रन बना दिये। वहीं सैम करन 20 रन बनाकर आउट नहीं हुए।

वहीं इससे पहले श्रीलंका की ओर से ओपनर पथुम निसांका और कामिल मिशरा श्रीलंका को अच्छी शुरुआत दिलाई और टीम का स्कोर 11 ओवर में दो विकेट पर 106 रन पहुंच गया। वहीं पवन रत्नायके ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। निसांका ने 22 गेंदों में 34 रन जबकि कुसल मेंडिस ने 17 गेंदों पर 32 रन बनाये। इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट लिए जबकि विल जैक्स, लियाम डॉसन और आदिल रशीद को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

-लग सकता है प्रतिबंध, प्रसारकों को नुकसान की भरपाई करनी होगी

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी अकड़ में भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार की घोषणा की है। ये घोषणा उसके पतन का कारण भी बन सकती हैं। इससे पहले से ही आर्थिक संकटों में फंसा पीसीबी और अधिक उसमें डूब सकता है। वहीं इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भी उसके खिलाफ प्रतिबंध सहित कई और कठोर कदम उठा सकती है। आईसीसी ने पीसीबी के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि अगर वो टी20 वर्ल्ड कप में तय कार्यक्रम के मुताबिक नहीं खेला तो उसके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। अब देखना होगा कि आईसीसी उसके खिलाफ क्या कार्रवाई कर सकता है। इस मामले में आईसीसी पाक टीम को पूरे टूर्नामेंट के लिए प्रतिबंधित कर सकता है। वहीं पीसीबी को मिलने वाला राजस्व रोका जा सकता है। पीसीबी से प्रसारकों को राजस्व नुकसान की भरपाई करने को कहा जा सकता है। इसके अलावा द्विपक्षीय सीरीज पर रोक लगायी जा सकती है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक और आईसीसी रैंकिंग भी घटाई जा सकती है। इसके अलावा पीएसएल में विदेशी खिलाड़ी के खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

पाकिस्तान के आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उसे दी जाने वाली सहायता भी रोकी जा सकती है। भारत-पाक टी20 मैच के लिए विज्ञापन की दर 25 लाख से 40 लाख रुपये प्रति 10 सेकेंड के बीच होती है। इससे विज्ञापन राजस्व नुकसान 200 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है हो पीसीबी से भरने को कहा जाएगा। पाकिस्तान को सबसे अधिक राजस्व पीएसएल से मिलता पर आईसीसी उसमें विदेशी खिलाड़ियों के भाग लेने पर रोक लगा सकती है।

आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्कप में भारत के खिलाफ मुकाबले से हटने के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बात करने के बाद ही बोर्ड अपनी प्रतिक्रिया देगा। पाक सरकार के टी20 विश्वकप से हटने की घोषणा के बाद से ही पूर्व क्रिकेटरों ने इस इसपर बयान दिये हैं पर बीसीसीआई ने अभी कोई बयान नहीं दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। तटस्थ स्थल होने के बाद भी पाक मुकाबले में नहीं खेलना चाहता है जिससे बांग्लादेश के मुद्दे पर विरोध दर्ज करा सके। इससे पहले आईसीसी ने बांग्लादेश को हटाकर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया है। बांग्लादेश सुरक्षा कारणों की वजह से भारत में कोई मैच नहीं खेलना चाहता था, आईसीसी के समझाने के बावजूद जब बांग्लादेश भारत में खेलने को तैयार नहीं हुआ तो आईसीसी ने उसे बाहर कर दिया। आईसीसी के इस फैसले पर ही अब पाकिस्तान अपनी नाराजगी दिखा रहा है। शुक्ला ने कहा कि बीसीसीआई पाकिस्तान के भारत के खिलाफ विश्व कप 2026 के ग्रुप-स्तर मैच के बहिष्कार के मामले पर आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा। शुक्ला ने कहा, आईसीसी ने एक बड़ा बयान जारी किया है, उन्होंने खेल भावना के बारे में बात की है। हम आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। इसीलिए उससे बात करने के बाद ही हम अपना जवाब देंगे।

भारतीय टीम के पास टी20 विश्वकप खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर : हरभजन

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 विश्वकप में मेजबान भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है। हरभजन के अनुसार इस बार भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका व अफगानिस्तान की टीमें भी सेमीफाइल में पहुंचेंगी। हरभजन ने हालांकि दो बार की विजेता इंग्लैंड को 2026 इस बार खिताबी दावेदार नहीं माना है। विश्वकप की मेजबानी भारत और श्रीलंका की टीमें संयुक्त रुप से कर रही हैं। हरभजन ने कहा कि इस बार भी भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम के पास अपनी धरती पर मैच होने के कारण जीतने का सुनहरा मौका है, भरतीय टीम अभी काफी अच्छी है और उसे घरेलू धरती पर प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा।

टी20 विश्वकप के लिए फिट हुए तिलक

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक अच्छी खबर है। बल्लेबाज तिलक वर्मा टी20 विश्वकप के लिए फिट हो गये है। तिलक को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में अब वह टी20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलकर मुकाबले के लिए लय हासिल करेंगे। तक की कुछ समय पहले ही सर्ज़री हुई थी और इसी का वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भी बाहर थे। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के पहले मैच में 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए से खेलना है। तिलक के न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर होने पर भारतीय टीम ने उनकी जगह पर ईशान किशन को शामिल किया था। ईशान ने सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में तिलक की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत के लिए भेजा जा सकता है। से में भारत ने लगभग सभी मैचों में नंबर तीन पर इशान किशन को खिलाया। वहीं ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के भी विश्वकप तक फिट होने की उम्मीद है। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में है और उसका पहला मुकाबला 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका से होगा।

पाक कप्तान आगा बोले, भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला हमारा नहीं, हमें पीसीबी के अनुसार ही चलना होगा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का जो फैसला लिया है। उससे पाक प्रशंसक और खिलाड़ी भी सहमत नहीं है। टीम के कप्तान सलमान आगा के बयान से ये साबित होता है। आगा ने कहा है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी के मैच का बहिष्कार करने का फैसला सरकार का है हमारा नहीं। पाक सरकार ने कहा था कि टीम टूर्नामेंट मे भाग लेगी पर भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किये जाने के विरोध में लिया है।

आगा ने कहा है कि टूर्नामेंट में खेलने का फैसला खिलाड़ियों के हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम को सरकार और क्रिकेट बोर्ड के निर्देशों का पालन करना

होता है और खिलाड़ियों की निजी राय मायने नहीं रखती है। आगा ने यह भी कहा कि पाक टीम टूर्नामेंट के शेष मैच खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच को लेकर निर्देशों का पालन करेगी। सरकार के फैसले पर आगा ने कहा, 'हां, बिल्कुल, हम विश्वकप के लिए जाएंगे पर यह हमारा फैसला नहीं है और हम इसमें अपनी ओर से कुछ भी नहीं कर सकते। सरकार और बोर्ड जो भी निर्देश देगा। हमें उसका पालन करना होगा। जो सरकार कहेगी, वही होगा और हम वैसा ही करेंगे।' दोनो टीमों का मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में रखा गया है। पाकिस्तान, भारत के साथ ही ग्रुप ए में है, जिसमें नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका की टीमें भी शामिल हैं. पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे।

वहीं पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कड़ी नाराजगी जताते हुए यह साफ किया कि किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में इस प्रकार का फैसला स्वीकार नहीं किया जा सकता है। आईसीसी को हालांकि अभी तक पीसीबी ओर से कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है पर आईसीसी ने कहा कि तय हो चुके मैच को छोड़ना किसी भी टूर्नामेंट के सिद्धांतों के खिलाफ है। साथ ही कहा कि इसका प्रभाव लंबे समय तक पड़ेगा। आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अपनी फैसले पर फिर विचार करेगा। आईसीसी इस मामले में पाक कार्रवाई कर सकता है। वह विदेशी खिलाड़ियों के पाक ममें पीएसएल में खेलने पर रोक तक लगा सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान को आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार भी नहीं मिलेगा।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी शेल्टन ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हार के बाद भी निराश नहीं, भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

मेलबर्न (एजेंसी)। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ऑस्ट्रेलियाई ओपन में इटली के जैनिक सिनर के खिलाफ हार के बाद भले ही खिताबी मुकाबले से बाहर हो गये हैं पर उनका मनोबल कम नहीं हुआ है। शेल्टन का कहना है कि उसे सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी सकारात्मक बात ये है कि उसके खेल में काफी सुधार भी हुआ है और अब वह भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की तैयार करेगा। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन इस टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल तक के सफर में केवल एक सेट हारे हैं ।शेल्टन ने साफ कहा कि उनके खेल में सुधार हुआ है। अब वह अपने को पहले से कहीं ज्यादा संतुलित खिलाड़ी मानते हैं। शेल्टन का मानना है कि आने वाले समय में उन्हें आगे बढ़ने के लिए केवल एक जीत की ही जरुरत है। शेल्टन ने यह भी कहा कि ग्रैंड स्लैम के दबाव में खेलने केअनुभव से उन्हें सबसे ज्यादा उत्साह मिलता है। उनके अनुसार बड़े मंच पर मुकाबला करने के कारण उनहें लगातार बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। शेल्टन ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खेला था। इसके बाद से ही तीन एटीपी खिताब जीते हैं। वह एटीपी रैंकिंग में टॉप-5 में भी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सिनर के खिलाफ कई बार वह अच्छी स्थित में पहुंचे थे पर वह ब्रेक अंक का लाभ नहीं उठाने के कारण सफल नहीं हुए।

सचिन ने ऑस्ट्रेलियन विजेता अल्काराज को बधाई दी,धैर्य नहीं खोने के कारण बने विजेता

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी रुचि लेते हैं और समय-समय पर उनके स्टार खिलाड़ियों की भी प्रशंसा करते रहे हैं। इसी कड़ी में अब सचिन ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले स्पेन के कार्लोस अल्काराज को बधाई दी है। तेंदुलकर ने पूरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अल्काराज के संयमित खेल को धैर्य की तारीफ की। तेंदुलकर ने साशेल मीडिया में लिखा, इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य बात ये थी कि अल्काराज ने अभी भी अपना धैर्य नहीं खोया। वह लंबी रैलियों में भी शांत रहे जिससे उनके विरोध खिलाड़ी पर दबाव बना रहा। उन्होंने समझदारी से अपने अवसर तलाशे। जिस तरह से उन्होंने कोर्ट में फुर्ती दिखायी उसकी हम सभी प्रशंसा करते हैं।

पीडब्ल्यूएल 2026: हरियाणा थंडर ने रोमांचक फाइनल में दिल्ली दंगल वॉरियर्स को हराया

नोएडा (एजेंसी)। हरियाणा थंडर रविवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में दिल्ली दंगल वॉरियर्स के खिलाफ फाइनल में आखिरी बाउट तक चले मैच के बाद प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 का चैंपियन बन गया।

आठ बाउट के बाद स्कोर 4-4 से बराबर था, नतीजा आखिरी महिलाओं की 62 किलोग्राम बाउट पर निर्भर था, जिसमें पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट इरीना कोलियाडेन्को ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी शानदार टेक्निकल जीत ने हरियाणा थंडर को 5-4 से जीत दिलाई और पीडब्ल्यूएल 2026 का खिताब दिलाया, जो लीग के इतिहास के सबसे नाटकीय फाइनल में से एक था।

हरियाणा थंडर पीडब्ल्यूएल 2026 ट्रॉफी के साथ 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि घर ले जाएगा। रनर-अप, दिल्ली दंगल वॉरियर्स को 75 लाख रुपये मिलेंगे। व्यक्तिगत पुरस्कारों में, दिल्ली दंगल वॉरियर्स के तुरान बायरामोव ने 57 किलोग्राम पुरुष वर्ग में सभी 7 बाउट जीतकर और पीडब्ल्यूएल 2026 में कुल 59 अंक हासिल करके 2.5 लाख रुपये का 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' खिताब जीता। पंजाब रॉयल्स के चंदरमोहन टूर्नामेंट के टॉप पॉइंट स्कोरर थे।

नेहा सांगवान (हरियाणा थंडर) को आखिरी बाउट तक फाइनल को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए 'प्लेयर ऑफद मैच' का पुरस्कार मिला। रौनक (दिल्ली दंगल वॉरियर्स) को पुरुष 125 किलोग्राम वर्ग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए 'फाइटर ऑफद मैच' का सम्मान मिला। 'इंपैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच' अक्षय धेरे (हरियाणा थंडर) थे, जिन्हें 57 किलोग्राम पुरुष वर्ग में उनके मजबूत प्रदर्शन के लिए पहचाना गया।

चैंपियनशिप की रात दिल्ली ने बढ़त के साथ शुरू की, जब अजेय तुरान बायरामोव ने 74 किलोग्राम पुरुष बाउट जीती, जल्दी ही शुरुआती बढ़त बनाई और 8-1 से जीत हासिल करने के लिए नियंत्रण बनाए रखा। हरियाणा ने 76 किलोग्राम महिला वर्ग में तुरंत जवाब दिया, जहां अंडर20 विश्व चैंपियन काजल धोचक ने यूरोपीय चैंपियन अनास्तासिया अल्पीयेवा को 3-1 से हराकर स्कोर बराबर कर दिया।

65 किलोग्राम पुरुषों के मैच में मोमेंटम तब बदला जब दिल्ली के कप्तान सुजीत कल्कल ने शानदार वापसी करते हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट तुमुर ओचिर तुलगा को 8-6 से हरा दिया। हरियाणा ने तुरंत अपनी स्टार और कई बार की वर्ल्ड चैंपियन यूई सुसाकी के साथ जवाब दिया, जिन्होंने सारिका पर शानदार टेक्निकल जीत हासिल करके अपना कौशल दिखाया और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

86 किलोग्राम पुरुषों के मैच में दिल्ली ने फिर से बढ़त बना ली, जब एशियन चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट वफाईपुर हादी बख्तियार ने अशिरोव अशरफ को 11-0 से हरा दिया। हरियाणा ने जोरदार जवाब दिया, जिसमें अक्षय धेरे ने 57 किलोग्राम पुरुषों के इवेंट में दिल्ली के अमित कुमार को टेक्निकल सुपीरियरिटी से हरा दिया।

हेवीवेट मैच निर्णायक था, जिसमें रौनक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनिरुद्ध गुलिया को 12-2 से हराया, जिससे दिल्ली को 4-3 की

बढ़त मिली। हरियाणा ने हार नहीं मानी, और नेहा सांगवान ने 57 किलोग्राम महिलाओं के मुकाबले में अंजलि को पिन करके मैच को जारी रखा, जिससे स्कोर 4-4 से बराबर हो गया।

चैंपियनशिप दांव पर लगी थी, और इरीना कोलियाडेन्को ने महत्वपूर्ण 62 किलोग्राम महिलाओं के मैच में कदम रखा। अपने अनुभव और शांत स्वभाव का फायदा उठाते हुए, पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट ने लगातार टर्न-एंड-एक्सपोजर मूव्स से अंजलि को हराया और 16-0 से टेक्निकल जीत हासिल की। इस जीत ने उन्हें हरियाणा थंडरर्स के लिए खिताब दिलाया।

भारत में मिले अनुभवों का लाभ टी20 विश्वकप में मिलेगा : सैंटनर

तिरुवनंतपुरम। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्व कप में जीत के इरादे से उतरना होगा। इसके लिए उनकी टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिले अनुभवों का लाभ उठाएगी। सैंटनर के अनुसार उनकी टीम भारत में अपने पिछले अनुभवों और विभिन्न हालातोंसे तालमेल बिठाने की क्षमता के आधार पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करेगी। कीवी टीम को विश्कप में अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। वह ग्रुप चरण के तीन मैच चेन्नई में और एक मैच अहमदाबाद में खेलेगा। इनमें से उसके दो मैच सुबह 11 बजे शुरू होंगे, जबकि अन्य मैच दोपहर तीन बजे और शाम सात बजे शुरू होंगे। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने हाल में आईपीएल में या अपने करियर के दौरान चेन्नई में मैच खेले हैं। जिसका लाभ उन्हें मिलेगा मुझे लगता है कि पिछले कुछ साल में यह देखा गया है कि चेन्नई की पिच काफी अच्छी है। सैंटनर ने कहा कि न्यूजीलैंड के पास इस चुनौती का सामना करने के लिए अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, दिन का खेल थोड़ा अलग होने वाला है। खिलाड़ियों को अपने रुटीन में बदलाव करना होगा। उन्हें सुबह जल्दी उठकर अभ्यास करना होगा। हम लाल मिट्टी की पिच पर एक मैच खेलने के लिए अहमदाबाद जाएंगे और फिर हम काली मिट्टी की पिच पर खेलने के लिए चेन्नई जाएंगे। इसलिए यह मैदान कुछ अलग होगा। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम को अलग-अलग तरह के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होगा। चेन्नई में हम तीन मैच खेलेंगे और वहां की पिच अहमदाबाद की की पिच की तुलना में अलग रहेगी जिसके अनुसार हमें ढ़लना होगा।

कोहरा 2 में अपने किरदार को लेकर बोले बरुन सोबती

दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। पहली सीरीज की कहानी, रहस्य और रहस्यमयी वातावरण दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसके दूसरे सीजन का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था।

इस बार की कहानी में रहस्य और मामले पहले से भी ज्यादा जटिल होंगे। इस बार भी अभिनेता बरुन सोबती अपने पहले वाले किरदार अमरपाल गारुडी के रूप में नजर आएंगे। सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बरुन ने कहा, इस सीजन में गारुडी पहले से ज्यादा सतर्क है। वह हर कदम पर सोच-विचार करता है और अपने फैसलों और विकल्पों का लगातार मूल्यांकन करता है। गारुडी इस बार नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहता है, लेकिन कोहरा की दुनिया में बीते समय और पुराने अनुभव उसे पीछे नहीं छोड़ते। रहस्य इस बार और गहरा है और केस की जटिलता उसकी मानसिक स्थिति और फैसलों में भी दिखती है। बरुन ने कहा, इस सीजन ने मुझे अभिनेता के रूप में नई चुनौतियां दी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में गहराई से जुड़ेंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गारुडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है।

इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गारुडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

रीटा फरेरा के किरदार से खुद को कैसे जोड़ती हैं भूमि?

भूमि पेडनेकर की नई सीरीज 'दलदल' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ चुकी है। इस बार अभिनेत्री एक डीसीपी के रूप में क्राइम से लड़ती नजर आएंगी। इस इंटरव्यू में भूमि ने दलदल की कहानी में दिखाए गए समाजिक मुद्दों समेत इस सीरीज में अपने किरदार और उसके पीछे की गंभीरता के बारे में भी चर्चा की। बातचीत में भूमि ने यह भी बताया कि किस तरह वो अपने किरदार के साथ रिलेट करतीं हैं।

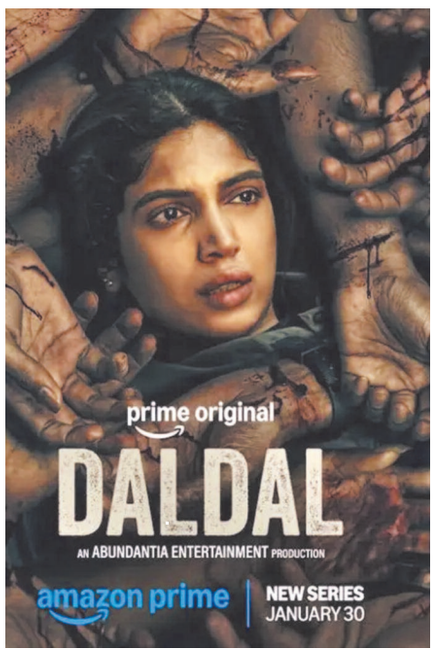

क्यों अलग है 'दलदल' सीरीज?

भूमि पेडनेकर ने इस इंटरव्यू में 'दलदल' के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो का अनुभव वैसा ही है जैसे आप किसी चीज में फंसते चले जा रहे हों वही घुटन, वही बेचैनी, वही क्लॉस्ट्रोफोबिक सी फीलिंग। मेरा किरदार उस भावना को बहुत अच्छी तरह समझाता है। हालांकि शो में एक तरह की डार्कनेस है लेकिन इसके साथ ही हल्कापन भी है। यह एक बहुत इंटेलिजेंट और मनोवैज्ञानिक क्राइम ड्रामा है। इस जॉनर में कई शो आए हैं लेकिन फूली फील्स की राइटिंग इसमें एक अलगपन लेकर आती है।

किन मायनों में अलग है रीटा फरेरा का किरदार?

'दलदल' में अपने किरदार डीसीपी रीटा फरेरा के बारे में भूमि ने कई बातें बताईं। भूमि ने कहा, रीटा अपने काम के प्रति बेहद ईमानदार है, लेकिन वर्दी में और वर्दी के बाहर उसका व्यक्तित्व बिल्कुल अलग दिखता है। उसके भीतर गहरी डार्कनेस है, बहुत सा ट्रॉमा है जिससे वह पूरी तरह बाहर नहीं आ पाई। यही इस शो की जड़ है कि हम सब अपने बचपन के घावों को ठीक से संभाल नहीं पाते हैं। इसी कमी ने उसे हर तरह की खुशी से दूर कर दिया। उसके अंदर गुस्सा भी है, हिंसा भी है और उतनी ही गहरी संवेदनशीलता भी। यही उसका दलदल है और यही वह जाल है जिसमें इस शो का हर किरदार अपने अपने तरीके से फंसा हुआ है।

रीटा के व्यक्तिव से समानता महसूस करती हूं

भूमि पेडनेकर ने अमर उजाला को दिए इस इंटरव्यू में अपने और रीटा फरेरा के बारे में बताया, मैं यानी भूमि खुद को रीटा से जिस एक चीज के जरिए जोड़ पाती हूं वह है काम के प्रति उसकी ईमानदारी। रीटा की तरह मेरे अंदर भी अपने काम को लेकर गहरी सच्चाई है। मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि अपने किरदार को जितनी ईमानदारी और सच्चाई से निभा सकूं निभाऊं। शायद यही वह जगह है जहां मैं और रीटा एक दूसरे से मिलते हैं। उसकी तरह मैं भी अपने काम में पूरी तरह डूब जाती हूं।

फिल्म में दिखेंगी एक नई दीपिका

'जवान' फेम निर्देशक एटली इन दिनों अल्लू अर्जुन के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म का टाइटल तय नहीं है। बड़े स्तर पर बन रही इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अब एटली ने फिल्म को लेकर बात की है। बातचीत के दौरान एटली ने

इस फिल्म को लेकर बताया कि टीम फिल्म पर काफी मेहनत कर रही है। इसके बारे में बात करने के लिए उतनी ही उत्साहित है, लेकिन सही समय का इंतजार कर रही है। हर दिन हमें कुछ न कुछ नया पता चल रहा है। मुझे पता है कि हर कोई फिल्म के बारे में सुनना चाहता है। सच कहूं तो, अपने दर्शकों से भी ज्यादा, मैं उन्हें सब कुछ बताने के लिए उत्सुक हूं। हम इस पर काम करते हुए रातों की नींद हराम कर रहे हैं। मुझे पता है कि यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन हम उतने ही उत्साहित हैं। हम सबके लिए कुछ बहुत बड़ा तैयार कर रहे हैं। एक बार यह बन जाए, तो यकीन मानिए, हर कोई इसका भरपूर आनंद उठाएगा।

'जवान' के बाद फिर से दीपिका पादुकोण के साथ काम करने पर एटली ने कहा कि हां, वो मेरी लकी चार्म हैं। दीपिका के साथ यह मेरी दूसरी फिल्म है और उनके साथ काम करना बेहद शानदार है। वो लाजवाब हैं। मुझे लगता है कि मां बनने के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने पर आपको एक बिल्कुल अलग दीपिका देखने को मिलेंगी।

टैलेंट से सफल अभिनेत्री और गायिका बनीं हैं श्रुति हासन

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है।

हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म चाची 420 (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म हे राम में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम रामा रामा भी गाई। एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म अनागनगा ओ धीरुडु (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। रेस गुर्रम (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं। हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने डी-डे, रामैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं।

शादी और करियर पर विक्रांत सिंह और मोनालिसा ने साझा किए दिलचस्प किस्से

मोनालिसा और विक्रांत रियलिटी शो 50 में एक साथ नजर आ रहे हैं। शो शुरू होने से पहले खास बातचीत में दोनों ने शो के फॉर्मेट, अपने रिश्ते और करियर को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। बता दें कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिसवास है और वे 50 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बिग बॉस 10 के बाद उनकी लोकप्रियता और भी बढी और उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई, जहां कई पापुलर शोज में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाईं।

मोनालिसा को लेकर समाज की सोच पहले निगेटिव थी – विक्रांत

विक्रांत सिंह के मुताबिक, मोनालिसा जब बिग बॉस में आई थी, उससे पहले लोगों की सोच ज्यादातर निगेटिव थी। हम जिस सोसाइटी से आते हैं, वहां खासकर लड़कियों के लिए निगेटिव सोच जल्दी बनती है। घर से निकलकर फिल्म इंडस्ट्री में आना गलत मान लिया जाता है। आप सही हों या गलत लोग की नजर में आप गलत ही हो जाते हैं। अगर आपने ऐसा किरदार चुना जिसे आपको परफॉर्म करना है, तो भी गलत माना जाता है। लोगों ने मोनालिसा के बारे में गलत सोचा। वो लोग बोलने से पहले सोचते नहीं।

शादी के बाद बदली राय, पर सोच धीरे बदलती है

वो आगे कहते हैं, बिग बॉस में आने के बाद कुछ हद तक राय बदली। हमारी शादी हुई तो और भी बदलाव आया। लेकिन सोच बहुत धीरे बदलती है। ज्यादातर लोग निगेटिव जाते हैं। आपकी मेहनत को लोग क्रेडिट नहीं देते कहते हैं अरे इसको ऐसे ही मिल गया होगा। ये सिर्फ मोना के साथ नहीं, कई लड़कियों के साथ होता है।

50 शो का स्केल देखकर दोनों ने तुरंत हां कहा

रियलिटी शो 50 के बारे में विक्रांत कहते हैं, मेकर्स ने बताया कि हिंदुस्तान का सबसे बड़ा शो बनाना चाहते हैं, 50 सेलेब्स आने वाले हैं। यह सुनकर कोई भी तुरंत सोच लेगा कि भाई मौका मिल रहा है, चौका मार देते हैं। तो हम तो तुरंत तैयार हो गए।

मोनालिसा – 15 नहीं, 50 लोग... फॉर्मेट ही सबसे बड़ा बदलाव

मोनालिसा ने आगे जोड़ा, जब फॉर्मेट सुना तो सबसे पहला सोच यही थी कि बहुत अलग होगा। पहले जब मैं बिग बॉस में गई थी, वहां 15 लोग थे, यहां 50 रहेंगे। और हमें दोनों को साथ बुलाया गया है। बिग बॉस के बाद हमें ज्यादातर रियलिटी शो ही ऑफर होते रहे, जैसे नच बलिये, स्मार्ट जोडी, किचन चैम्पियन यह सब बहुत एक्साइटिंग था। मुझे नए एक्सपीरियंस लेना पसंद है। मैं चाहती हूं कि करियर वाइज हमेशा कुछ नया करूं और लकी हूं कि मिल भी जाता है।

क्या रियलिटी शो रिश्ते पर असर डालते हैं?

विक्रांत साफ कहते हैं, पर्सनल लाइफ और घर में रहना एक बात है। लोगों के बीच जाकर कैसे रियेक्ट करते हो, वो दूसरी बात है। ऊपर से गेम खेलना है। तो मुझे लगता है कि डिफरेंसेज दिखेंगे ही। घर में भी कई मुद्दों पर हम सहमत नहीं होते। कोई प्लानिंग नहीं है हमारी। लोग मोना के नेचर को जानते हैं और मेरे लोग मुझे जानते हैं। मुझे उतना नहीं देखा है लोगों ने, तो इस शो से लोग मुझे पर्सनली जानेंगे। जो भी होगा नैचुरली होगा।

विक्रांत अपने प्रोफेशनल फैसलों पर मोना पर कितना निर्भर हैं?

विक्रांत कहते हैं, एक पैसे का निर्भर नहीं हूं। ये अच्छा नहीं है, लेकिन सच है। मोना को भी मालूम है। मैं भी ऐसा प्लेटफॉर्म चाहता हूं, जहां लोग मुझे जानें। जहां भी गया हूं, मेरे लोग जानते हैं कि मैं बिल्कुल नहीं सुनता हूं। सुनूंगा तभी जब बात में लॉजिक हो, वरना नहीं। उम्मीद करता हूं कि इस शो से मुझे मेरी पहचान मिले।

मोनालिसा किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मोनालिसा बताती हैं, बहुत सारे कैरेक्टर करना चाहती हूं। आजकल वेब सीरीज में इतने रियल रोल देखते हैं कि लगता है, ऐसा मैंने अभी तक किया ही नहीं है। रियल, नेचुरल, लोकेशन पर शूट बहुत कुछ बाकी है। पांच छह साल पहले पूछते तो कहती कि करीना की जब वी मेट जैसा चुलबुला रोल करना चाहती हूं। लेकिन अब उससे हटकर भी कई कैरेक्टर करना है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।